दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 104 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 07 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

भारत- पाकिस्तान के बीच तल्ख विवाद

युद्ध की आहट: पूरे देश में आज मॉक ड्रिल, संभावित सुरक्षा की देंगे जानकारी

1971 का दोहराया जा सकता है इतिहास

जयपुर टाइम्स/नई दिल्ली एजेंसी। युद्ध की आहट अब नजर आने लगी है। पाकिस्तान से जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने कई राज्यों से बुधवार को सुरक्षा मॉक ड्रिल करने को कहा है। इसका मकसद है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच नापाक हमले की स्थिति में प्रभावी नागरिक सुरक्षा की जा सके। केंद्र के आदेश का समय महत्वपूर्ण है। पिछली बार ऐसी ड्रिल 1971 में आयोजित की गई थी, जिस साल भारत और पाकिस्तान के बीच दो मोर्चों पर युद्ध हुआ था। पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच किसी भी संभावित युद्ध की आशंका को देखते हुए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को बुधवार को नागरिकों की सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल करने का आदेश दिया है। गृह मंत्रालय के तहत नागरिक सुरक्षा के अतिरिक्त महानिदेशक बी संदीपकृष्ण ने सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण देश के 244 सीमावर्ती और तटीय जिलों में नागरिक सुरक्षा अभ्यास करने का निर्देश दिया है। संदीपकृष्ण ने मॉक ड्रिल के लिए पहली चिट्ठी दो मई को लिखी थी और दूसरी सोमवार को भेजी। पत्र में कहा गया है कि सुरक्षा अभ्यास के तहत किसी भी हवाई आक्रमण की स्थिति में चेतावनी सायरन प्रणाली के सही संचालन को परखा जाएगा। साथ ही किसी भी आक्रमण की स्थिति में आम लोगों, छात्रों को खुद को बचाने और अन्य नागरिक सुरक्षा पहलुओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मॉक ड्रिल में अचानक बिजली गुल यानी ब्लैक आउट करने का अभ्यास भी होगा।

पीएम मोदी को रक्षा सचिव ने दी तैयारियों की जानकारी

पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चल रही तैयारियों के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि सिंह ने पीएम मोदी को सुरक्षा तैयारियों की पूरी जानकारी दी है। इनसे पहले एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, नौसेना प्रमुख दिनेश के त्रिपाठी और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी प्रधानमंत्री को अपनी तैयारियों और चुनौतियों की जानकारी दे चुके हैं। पीएम की लगातार बैठकों को पाकिस्तान के खिलाफ जल्द ही सैन्य कार्रवाई किए जाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

डोभाल व गृह सचिव से भी मंत्रणा

पीएम मोदी ने नॉर्थ ब्लॉक स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में भी कई अहम बैठकें कीं। शाम पांच बजे के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पीएमओ पहुंचे। डोभाल से बैठक खत्म होने के कुछ देर बाद गृह सचिव गोविंद मोहन भी पीएम से मिले।

पहलगाम हमले के बाद फिर पटरी से उतरे भारत-पाक संबंध

गृह मंत्रालय ने यह निर्देश ऐसे समय में दिए हैं, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और भारत पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, पाकिस्तानी उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करना, अटारी चेक पोस्ट को बंद करना और सभी श्रेणियों में डाक सेवाओं को बंद करने जैसे कदम शामिल हैं।

गृह मंत्रालय में अहम बैठक

मॉक ड्रिल को लेकर गृह मंत्रालय में मंगलवार को अहम बैठक हुई। इसमें देशभर में 244 नागरिक सुरक्षा प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा इस बात पर केंद्रित है कि मौजूदा उपकरण काम कर रहे हैं या उनकी मरम्मत की आवश्यकता है। बैठक में यह भी देखा गया कि आपातकालीन हालात में नागरिकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। इस दौरान हवाई हमले के सायरन के प्रति जनता की प्रतिक्रिया, ब्लैकआउट के दौरान की जाने वाली कार्रवाई और आवश्यक आपूर्ति की तैयारियों पर भी बात की गई। अधिकारियों ने संभावित इलेक्ट्रॉनिक विफलता के लिए तैयार रहने के लिए घरों में चिकित्सा किट, मशालें, मोमबत्तियां और नकदी रखने की जरूरत पर जोर दिया। नागरिकों की सुरक्षा से संबंधित मॉक ड्रिल बेहद असामान्य कदम है। हाल-फिलहाल में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए किसी भी संघर्ष के दौरान ऐसा कोई मॉक ड्रिल नहीं किया गया। राज्यों में आखिरी मॉक ड्रिल आज से 54 साल पहले 1971 में हुआ था। तब बांग्लादेश की मुक्ति के लिए हुआ युद्ध भारत-पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध में बदल गया था जो देश की पूर्वी और पश्चिमी दोनों सीमाओं पर लड़ा गया था। उस समय नागरिकों की जान-माल को कम से कम नुकसान पहुंचे, इसके लिए ऐसा अभ्यास किया गया था। देश में मॉक ड्रिल कहां-कहां होगी? इसकी कोई आधिकारिक सूची अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन जिन सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट का जिक्र किया जा रहा है, उसकी एक सूची https://dgf-scdhg.gov.in/ पर उपलब्ध है। 2010 में गृह मंत्रालय की ओर से संशोधित की गई जिलों की सूची को राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को एक से तीन श्रेणी के बीच रखा गया है। दरअसल, गृह मंत्रालय ने देश के कुल 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट की सूची तैयार की थी। हालांकि, सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को सामान्य प्रशासनिक जिले नहीं कहा जा सकता। उत्तर प्रदेश में ऐसे कुल 19 जिले हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे प्रशासनिक जिले और बक्शी का तालाब, सरवासा जैसे स्थान भी हैं, जो लखनऊ और सहारनपुर में हैं। यहां एयर फोर्स स्टेशन हैं।

गुर्जर समाज ने लोकगीतों संग किया डॉ. सतीश पूनियां का भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

चाकसू(जयपुर)। जयपुर जिले के चाकसू क्षेत्र में आयोजित एक विवाह समारोह में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा प्रभारी और राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का गुर्जर समाज की महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों के माध्यम से आत्मीय स्वागत किया। समाज की मातृशक्ति ने उन्हें निरंतर उन्नति और सशक्त नेतृत्व के लिए आशीर्वाद भी दिया। समारोह में डॉ. पूनियां ने ग्रामीण परंपराओं का पालन करते हुए चारपाई पर बैठकर सादगीपूर्ण भोजन ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने गुर्जर समाज के पंच -पटेलों से

मुलाकात कर सामाजिक एकता और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर गुर्जर समाज के प्रमुख नेता विजय बैसला भी उपस्थित रहे। उनके साथ बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा और महिलाएं मौजूद रहीं। स्थानीय लोगों ने भी डॉ. पूनियां के साथ संवाद स्थापित कर अपने क्षेत्र की समस्याएं और अपेक्षाएं साझा कीं। डॉ. पूनियां ने अपने संबोधन में कहा कि गुर्जर समाज ने सदैव राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने समाज की एकता, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी को और सशक्त बनाने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह में डॉ. पूनियां की सहजता, पारंपरिक जुड़ाव और सामाजिक संवाद की सराहना की गई, जिससे स्थानीय लोगों के बीच एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

यूएनएससी में पाकिस्तान ने मांगी मदद, सुरक्षा परिषद ने जमकर लताड़ा

न्यूयॉर्क/एजेंसी। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ हर पैंतरा उस पर ही भारी पड़ रहा है। ताजा मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का है, जहां पाकिस्तान मदद मांगने गया था, लेकिन सुरक्षा परिषद ने उल्टे पाकिस्तान को ही लताड़ दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पाकिस्तान से ही मुश्किल सवाल पूछे और पहलगाम आतंकी हमले पर जवाबदेही तय करने को कहा। यूएनएससी की बैठक में सदस्यों ने पाकिस्तान से पूछा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर ए तैयबा का हाथ है या नहीं। दरअसल पाकिस्तान ये दिखाने की कोशिश कर रहा है कि भारत पहलगाम आतंकी हमले की आड़ में उस पर हमला करना चाहता है। हालांकि सुरक्षा परिषद ने

पाकिस्तान के इस तर्क को खारिज कर दिया और उल्टे हमले में लश्कर ए तैयबा की भूमिका पर ही सवाल पूछ लिए। संयुक्त राष्ट्र परिषद की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई

गुजरात केवड़िया में भाजपा का प्रशिक्षण शिविर

प्रधानमंत्री ने सुशासन से बदली राजनीति की अवधारणा: भजनलाल

डबल इंजन सरकार राजस्थान में स्थापित कर रही विकास के नए कीर्तिमान

जयपुर टाइम्स

केवड़िया/जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हमारी डबल इंजन सरकार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और वर्षों से लंबित कार्यों की राह प्रशस्त करने के साथ ही विकसित भारत-विकसित राजस्थांन के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शर्मा मंगलवार को गुजरात के केवड़िया में आयोजित भाजपा सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गौरवशाली भारत का निर्माण कर रही है। प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद सुशासन से राजनीति की अवधारणा बदलकर राजनीतिक दलों और नेताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र देकर हमें जो मार्ग दिखाया है, वह भाजपा की कार्य संस्कृति का आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में पहले राष्ट्र हित फिर पार्टी हित और अंत में स्वहित आता है जबकि कांग्रेस राजनीतिक

चश्मे से देखकर काम करती है। उसने अपनी संस्कृति और विचारों को भी छोड़ दिया है। शर्मा ने कहा कि यह प्रशिक्षण स्थल वह स्थान है जहां लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की अखण्डता और एकता की अलख जगाई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण शिविर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को नीति और रणनीति सिखाने के साथ ही नैतिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सशक्त करेगा। शर्मा ने कहा कि प्रदेश को पानी और बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कई कदम उठाए है। पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रारंभ करने के साथ ही सोम -कमला-अंबा परियोजना, जवाई परियोजना व देवास परियोजना के विकास का काम हाथ में लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के लिए हमने केंद्रीय पीएसयू के साथ 2 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू कर उन्हें धरातल पर उतारने का काम भी शुरू कर दिया है। राज्य में कुसुम के कम्पोनेन्ट-ए व कम्पोनेन्ट-सी के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 1000 मेगावाट से अधिक क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर लिए गए हैं। इस कारण हम लगभग 63 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली दे पा रहे हैं।

अन्नदाता हो रहा खुशहाल, अन्त्योदय की भावना साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से हमने अन्नदाता के संबल के लिए राजस्थान में किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि लगभग 47 लाख किसानों को करीब 30 हजार करोड़ रुपये के अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही गेहूं के समर्थन मूल्य पर 150 रुपए का बोनस देने एवं गेहूं दलहन तथा तिलहन की एमएसपी पर खरीद जैसे निर्णय भी किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुओं का निशुल्क बीमा किया जा रहा है। एक लाख रुपए तक ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना भी लागू की गई है। शर्मा ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के हित में लिए गए निर्णयों से प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अन्त्योदय का संकल्प साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 96 हजार से अधिक शहरी और ग्रामीण आवास बनाए जा चुके हैं और 5 लाख 48 हजार से अधिक नए आवास स्वीकृत किए गए हैं। हम गरीबी मुक्त राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में पहल करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर रहे हैं।

युवा व महिला कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान जो 37 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए हैं, उनसे प्रदेश में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियों के साथ ही निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में बढ़ रही है। हमने प्रभावी कार्यवाही कर पेपरलीक के मामलों पर लगाम लगाई है। शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लखपति दीदी योजना के तहत 14 लाख से ज्यादा महिलाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में वृद्धि करने, लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को बालिकाओं के जन्म पर डेढ़ लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड उपलब्ध कराने तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर साढ़े छह हजार करने जैसे निर्णय भी लिए हैं।

सड़क पर सरपट दौड़ रहे ओवरलोड वाहन

हादसों को देते है निमंत्रण, विभागीय कार्यवाई का नही है डर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अलवर शहर सहित जिले भर मे ओवरलोड वाहन सड़क पर धड़ल्ले से दौड़ रहे है इन ओवरलोड वाहनों के कारण हादसे होते है। लेकिन परिवहन विभाग व जिला प्रशासन इन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है यह वाहन क्षमता से अधिक लोड लेकर चलते है वही अधिकतर वाहन तेज गति और लापरवाही से तो चल ही रहे है। साथ ही यह वाहन अपनी क्षमता से अधिक सामान भरकर लाते और ले जाते है शहर मे एक स्थान पर एक ट्रैक्टर तो आगे पहिए ही हवा मे लेकर चल रहा था

विभाग की लापरवाही का ही नतीजा है जो यह वाहन आँखों मे धूल झोककर चलते है वही विभाग भी इन पर कार्यवाई करने मे इतिश्री कर लेता है। शहर सहित जिले भर मे सड़क पर सरपट दौड़ते ओवरलोड वाहनों के कारण हादसों मे लोगो को जान गवानी पड़ रही है वही आमजन ने भी परिवहन विभाग से इन पर कार्यवाही करने की मांग की है। लेकिन देखना यह की परिवहन विभाग आखिर कब इन पर कार्रवाई करेगा या कार्रवाई के नाम पर कुछ वाहनों पर कार्रवाई कर इतिश्री करेगा।

दिशा गोड ने बॉक्सिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश को दिलाया सम्मान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि दिल्ली में 30 अप्रैल से 5 मई 2025 तक आयोजित 68 वें राष्ट्रीय बालिका स्कूल गेम्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अलवर की होनहार खिलाड़ी दिशा गोड ने बॉक्सिंग में अपने शानदार प्रदर्शन से रजत पदक जीतकर जिला और प्रदेश का नाम रोशन किया। उन्होंने बॉक्सिंग में उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते यह उपलब्धि हासिल की। संघ के सचिव दिनेश भार्गव ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। दिशा ने अपनी कड़ी मेहनत से यह साबित किया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उनकी यह जीत कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उनकी इस उपलब्धि पर अलवर जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के विकास शर्मा, भूपेंद्र सिंह राठौड़, दीपक गर्ग, महावीर सिंह राजोरिया, राकेश शर्मा, संजय शुक्ला, साधना शर्मा, मनीष सैनी, विनीत जुनेजा, बॉक्सिंग कोच संजीव शर्मा, अजीत यादव, गिरीश शर्मा, हुकुम सैनी, सुनील सैनी, दीपक प्रजापत और सभी खेल प्रेमियों ने खुशी जताई और शुभकामनाएं दी।

लायंस क्लब अलवर मत्स्य की वर्ष 2025-26 की अध्यक्ष बनी एम.जे.एफ. लायन डॉ. मंजू अग्रवाल ओर सचिव बनी लायन सुधा अग्रवाल

कोषाध्यक्ष के लिए किया लायन यामिनी गुप्ता को मनोनीत

अलवर(निसं.)। अलवर मत्स्य की साधारण सभा का आयोजन मंगलवार को एक निजी होटल में किया गया। जिसमें वर्ष 2024-25 की अध्यक्ष एम.जे.एफ. लायन डॉ. मंजू अग्रवाल ने विधिवत गैंगगोवल बजाकर प्रारंभ किया, तदपश्चात् लायन शकुन्तला धनावत ने ध्वज वंदना का पठन कर एक मिनट के लिए विश्व शांति के लिए प्रार्थना की तथा सभी पधारे लायन साथियों का स्वागत उद्बोधन में साल भर मानव सेवा में किये कार्यो के लिए धन्यवाद दिया। लायन गिरीश गुप्ता ने बताया कि उन्हें अध्यक्ष लायन डॉ. मंजू अग्रवाल द्वारा नॉमिनेशन कमेटी 2025 - 26 का चेयरमैन नियुक्त किया था तथा उन्होंने अपनी कमेटी के सदस्यों पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एम.जे.एफ.लायन शशि गोयल, एम.जे.एफ.लायन डॉ.एस.सी.मित्तल, एम.जे.एफ. लायन चन्द्रप्रकाश गुप्ता द्वारा नई टीम तय करके वर्ष 2025 - 26 के अध्यक्ष पद पर लगातार दूसरी बार एम.जे.एफ. लायन डॉ. मंजू अग्रवाल, दूसरी बार सचिव लायन सुधा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन यामिनी गुप्ता मनोनीत किया है। साधारण सभा ने सर्व सम्मति से नई कार्यकारिणी को अपनी सहमती व्यक्त की। तद्पश्चात लायन गिरीश गुप्ता ने आगामी चुनावो के लिए भरे गए क्रेडेंशियल फॉर्म में वोटिंग राइट्स मिलने वाले सदस्यों के नाम तथा जयपुर जाने वाले 11 सदस्यों के नाम सदन के समक्ष रखे साथ ही लायंस क्लब अलवर द्वारा स्पोंसर नए लियो क्लब के जल्द खुलने की अधिकारिक सूचना भी प्रेषित की। लायंस क्लब इंटरनेशनल से आये 4 नए सदस्यों की किट एवं स्पोंसर करने वाले सदस्य की पिन एवं सर्टिफिकेट सदन के समक्ष लायन गिरीश गुप्ता, लायन शशि गोयल, एम.जे.एफ.लायन, डॉ.एस.सी.मित्तल, एम.जे.एफ. लायन चन्द्रप्रकाश गुप्ता एवं अन्य सीनियर मेंबर्स द्वारा दिलवाए गए। सदस्य लायन प्रह्लाद गुप्ता, लायन गोविन्द गोयल, लायन रुपेश गुप्ता को किट एवं नए सदस्यता दिलवाने हेतु लायन अनिल बंसल को 3 पिन एवं 3 सर्टिफिकेट से नवाजा गया, वहीं लायन महेश धानावत को किट एवं नई सदस्यता दिलवाने हेतु लायन मृदुल खण्डेलवाल को भी पिन एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

जिला कलक्टर ने ली वीसी के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक

रास्ता खोलो अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक में 50-50 रास्ते एक माह में खुलवाने का दिया लक्ष्य

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिले में संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कराने एवं विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि नियमित रूप से कार्यालय में आमजन की परिवेदनाओं को सुने। साथ ही जनसुनवाई एवं विभिन्न माध्यमों से आने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग कर सुचारू पेयजल आपूर्ति कराने के निर्देश दिये।

रास्ते खुलवाकर ग्रामीणों को राहत पहुंचाए

जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों एवं विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्र में बाधित रास्तों को समन्वय स्थापित कर आमजन की सहमति

से खुलवाना सुनिश्चित करें। रास्ते खुलने से आवागमन सुगम होने के साथ कृषि आदि कार्य में भी सहूलियत होगी। उन्होंने तहसीलवार एक माह में 50-50 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य देकर विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन रास्तों में ग्रेवल सडक की आवश्यकता है वहां ग्रेवल सडक बनाने के प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं।

50 और आंगनबाडी बनेगी चाइल्ड फ्रेंडली

जिला कलक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक को निर्देश दिये कि उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय कर सरकारी व सीएसआर मद से प्रत्येक ब्लॉक में 5-5 आंगनबाडी चिन्हित कर चाइल्ड फ्रेंडली आंगनबाडी के रूप में विकसित करावे। इन आंगनबाडियों की मर मत, चाइल्ड फ्रेंडली रंगरोगन व फर्नीचर की व्यवस्था कराने के साथ यह सुनिश्चित करें कि इनमें अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं अच्छी गुणवत्ता की रहे।

पीएम सूर्यघर योजना पर करें विशेष फोकस

उन्होंने विद्युत विभाग की समीक्षा कर अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि उपखण्ड अधिकारी से समन्वय स्थापित कर जिले में ब्लॉकवार पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के शिविर आयोजित करें। इस योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी, घर के जीरो बिल होने तथा अतिरिक्त विद्युत उत्पादन से अतिरिक्त आय होने के लाभ के बारे में आमजन में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करावे। इस योजना के क्रियान्वयन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लेवे।

मनरेगा व मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन के कार्यों में लाए प्रगति

उन्होंने जिला परिषद के सीईओ को निर्देशित किया कि मानसून से पूर्व मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना व मनरेगा योजना में स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करावे। साथ ही उन्होंने एमजेएसए के प्रगतिरत कार्यों में आगामी दस दिवस में 50 फीसदी प्रगति लाने के निर्देश दिये तथा इसी प्रकार मनरेगा योजना में प्रगतिरत कार्यों को 25 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिये तथा पूर्ण कार्यों को जेएसजेबी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में संचालित मेवात विकास योजना एवं सांसद व विधायक निधि कोष के कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि तकनीकी व वित्तीय स्वीकृति आदि कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराकर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे। उन्होंने हीट स्ट्रोक की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आपदा प्रबंधन विभाग की गाइड लाइन के अनुरूप पुख्ता तैयारियां रखे। उन्होंने ई-विद्या अभियान के तहत जिले के सरकारी स्कूलों में बनाई जा रही ई-लाइब्रेरी की समीक्षा कर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि शेष रही ई-लाइब्रेरियों को भी समयबद्ध रूप से पूर्ण करावे। उन्होंने ऑनलाइन यूटेशन, ई-फाइल व भूमि आवंटन आदि के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर सहित वीसी के माध्यम से समस्त उपखण्ड अधिकारी व विकास अधिकारी बैठक से जुडे तथा विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक महेश गुप्ता व जिला शिक्षा अधिकारी मनोज शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लू व मौसमी बीमारियों को लेकर जिला कलक्टर ने जिला चिकित्सालय, भिवाड़ी में लिया व्यवस्थाओं का जायजा

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)।। भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों की बढ़ती आशंका को देखते हुए मंगलवार को जिला चिकित्सालय, भिवाड़ी में जिला कलेक्टर किशोर कुमार द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान बीड़ा भिवाड़ी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल प्रकाश, अतिरिक्त जिला कलक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पीएमओ सहित अस्पताल के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर ने अस्पताल में लू (हीट स्ट्रोक) व अन्य मौसमी बीमारियों से निपटने हेतु की गई तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावी कार्यान्वयन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से संवाद कर अस्पताल के स्टाफ के व्यवहार एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर फीडबैक भी लिया गया। जिला कलक्टर द्वारा अस्पताल प्रबंधन को हीट स्ट्रोक से बचाव व त्वरित उपचार हेतु निम्नलिखित दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए की लू प्रभावित मरीजों के लिए पृथक कूलिंग वार्ड सुनिश्चित किया जाए तथा अस्पताल परिसर में जगह-जगह स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और अस्पतालों में ओआरएस, ग्लूकोज एवं आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। आमजन को लू से बचाव हेतु नियमित प्रचार-प्रसार, पोस्टर, बैनर और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की इमरजेंसी वार्ड को पूर्ण रूप से सतर्क एवं स्टाफ को प्रशिक्षित रखने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने अस्पताल स्टाफ को मरीजों के प्रति संवेदनशील और सेवा भाव से कार्य करने के लिए कहा।

जिला कलक्टर ने राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए निवेश प्रस्तावों की ली समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

खैरथल तिजारा(निसं.)। राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए निवेश प्रस्तावों (एमओयू) की समीक्षा हेतु मंगलवार को रीको गेस्ट हाउस, भिवाड़ी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर किशोर कुमार ने की। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल प्रकाश, रीको, उद्योग सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहै। जिला उद्योग केन्द्र (डीआईसीसी) के महाप्रबंधक ने बताया कि जिले में अब तक 502 एमओयू निष्पादित हो चुके हैं, जिनमें से 37 एमओयू का ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुका है। इसके फलस्वरूप 1096 करोड़ रुपये का निवेश और लगभग 2350 नए रोजगार सृजित हो चुके हैं। वर्तमान में 154 एमओयू धारकों के पास भूमि उपलब्ध है, जिससे वे कार्यान्वयन की स्थिति में हैं। सीएमएचओ द्वारा अवगत कराया गया कि स्वास्थ्य क्षेत्र के 5 एमओयू में से 3 में कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि 2 को निरस्त कराने की प्रक्रिया प्रगति पर है। वहीं, कृषि उपज मंडी विभाग ने 53 एमओयू में से 11 को अनिच्छुक बताया और 41 को भूमिहीन श्रेणी में रखा। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जो एमओयू इम्प्लीमेंट योग्य नहीं हैं या जिन्हें 'सी' श्रेणी में रखा गया है, उन्हें संबंधित विभाग बीआईपी को पत्र भेजकर निरस्त कराएं। साथ ही टास्क डिफाइन एमओयू की समयबद्ध समीक्षा व निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। रीको यूनिट प्रथम और द्वितीय को उद्यमियों को Direct Land Allotment Policy के तहत प्रेरित करने व नए औद्योगिक क्षेत्र के प्रस्ताव तैयार कर राज्य स्तर तक भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला कलेक्टर ने बताया कि ODOP योजना को सरकार ने फ्लैगशिप योजना में शामिल किया है, जिससे ऑटोमोबाइल पार्ट्स निर्माण क्षेत्र को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वे ऐसे उद्यमियों से संपर्क में रहें और उन्हें ODOP पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रेरित करें।

नवीन योजना ''सृजन की सुरक्षा' के सफल संचालन के लिए बैठक की चर्चा, सचिव सोनी ने दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाए जाने, बालिकाओं को आगे बढ़ाए जाने व उनके प्रति होने वाले अपराधों की दर में कमी लाने तथा पर्यावरण को संरक्षित करने और पोषित किए जाने की दिशा में कार्य करते हुए 5 अप्रेल 2025 को जिला राजसमन्द में ग्राम पंचायत पीपलांत्री में राज्य स्तरीय आयोजन में यह नवीन योजना ''सृजन की सुरक्षा' जारी की गई है। उक्त योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सफल संचालन के लिए मंगलवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर मोहनलाल सोनी की अध्यक्षता में वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। ''सृजन की सुरक्षा'' योजना के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के सचिव नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए योजना का समग्र क्रियान्वयन करेंगे।

सोनी द्वारा बताया गया कि उक्त योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में प्रासंगिक, सामाजिक, आर्थिक आधार तथा सामुदायिक भागीदारी की क्षमता का मूल्यांकन कर अलवर मुख्यालय के नजदीक स्थित एक ग्राम पंचायत का चयन किया जाएगा। सोनी द्वारा बताया गया कि योजना का क्रियान्वयन चयनित ग्राम पंचायत में जन्म लेने वाली प्रत्येक बालिका के परिवार के द्वारा 11 पौधे लगाए जाने के कार्यक्रम से प्रारंभ किया जाएगा तथा इन पौधों की प्रारंभिक देखभाल और पोषण की जिम्मेदारी सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से प्रोत्साहित व सुनिश्चित की जाएगी, जिसमें नवजात बालिका के परिवार और स्थानीय महिला समूहों को शमिल किया जाएगा। सोनी द्वारा बताया गया कि रालसा, जयपुर से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार भविष्य में योजना के अंतर्गत लगवाए जाने वाले पौधों की उपलब्धता वन विभाग के माध्यम से करवाई जाएगी। वन विभाग भविष्य में पौधों/वृक्षों के रख-रखाव के लिए सहायता प्रदान करेगा। इसके साथ ही चयनित पंचायत के अंतर्गत जन्म लेने वाली प्रत्येक हरित बालिका के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक विषिष्ट पहचान पत्र जारी किया जाएगा, जो वृक्षारोपण पहल के माध्यम से जुडी है। उक्त विशिष्ट पहचान पत्र चयनित परिवारों एवं बालिकाओं को विधिक सेवा संस्थानों तक पहुंचने और आवष्यक सहायता प्राप्त करने के लिए परामर्ष बिंदु के रूप में कार्य करेगा। सोनी द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर हरित बालिका के परिवारों के साथ सक्रिय रूप से जुडेगा और उन्हें चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा योजनाओं तक पहुंच, शैक्षणिक अवसर और प्रासंगिक सरकारी योजनाओं तथा उपलब्ध सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी उपलब्ध करवाएगा तथा आवश्यकता होने पर यह विधिक सहायता बाल अधिकारों, महिला अधिकारों, पोक्सो अपराधों के संबंध में भी उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही चयनित पंचायत के अधीन चिन्हित गांव में योजनान्तर्गत वर्णित विषयों पर सामुदायिक बैठकें, कार्यशालाएं, नुक्कड नाटक, जागरूकता सामग्री का वितरण व स्थानीय प्रभावषाली लोगों की भागीदारी में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सोनी द्वारा बताया गया कि यह योजना राजस्थान में बालिकाओं और महिलाओं के जीवन और पर्यावरण में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भिवाड़ी में ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

समावेशी आर्थिक विकास तभी संभव है जब हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को आय का अवसर मिले, यही आत्मनिर्भरता की सच्ची दिशा - राज्यपाल

खैरथल-तिजारा(निसं.)। महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को रिको गेस्ट हाउस सभागार भिवाड़ी में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित

किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके और वास्तविक जरूरतमंद वर्ग सशक्त हो सके। उन्होंने योजनाओं के समयबद्ध, प्रभावी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल बागडे ने जल जीवन मिशन, पीएम सूर्य घर योजना, कुसुम योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित राजीविका, डेयरी एवं सहकारिता के विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिले में हीट वेव के संबंध में की गई तैयारियों एंव स्वास्थ्य सेवाओं और सूचकांकों की समीक्षा करते हुए पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में सार्थक पहल तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग को सम्मानजनक रोजगार और आय के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि "हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को आय" की भावना को आत्मनिर्भर भारत की नींव मानते हुए हमें नीतियों और योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। बागडे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजना का प्रचार-प्रसार कर सभी पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए ड्राई जोन में टैंकरों के माध्यम से पानी सप्लाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन की पहुंच सुनिश्चित की जाए, साथ ही उनकी कार्यात्मक स्थिति भी सुनिश्चित की जाए तथा योजना के तहत शेष रहे गांवों में त्वरित रूप से योजनांतर्गत कार्य करते हुए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल बागडे ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर शौचालय निर्माण को प्राथमिकता देने, कचरा संग्रहण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता मानकों का पालन करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने अभियान हरियालो-राजस्थान राजस्थान के तहत जिलेभर में सामूहिक वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए।

नीलका धाम के ब्रह्मलीन महंत रामधन दासजी महाराज की चादरपोशी आज

हेलिकॉप्टर से होगी पुष्पवर्षा, 3 दिवसीय होगा कार्यक्रम

1.50 लाख श्रद्धालु पाएंगे प्रसादी, 800 कार्यकर्ता संभालेंगे व्यवस्था, 15 बीघा भूमि में लगाया गया टैंट

20 हलवाई व 60 हेल्पर प्रसादी बनाने में जुटे, 130 क्विंटल चीनी, 100 क्विंटल बेसन व 45 क्विंटल देशी घी से बनकर तैयार हुआ प्रसाद

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निसं.)। नीलका धाम मंदिर परिसर में ब्रह्मलीन महंत रामधन दासजी महाराज की चादरपोशी कार्यक्रम को लेकर बुधवार से तीन दिन तक आस्था व श्रद्धा का सैलाब उमड़ेगा। कार्यक्रम का आयोजन जयसिंहपुरा के नृसिंह मंदिर महंत सुरजनदासजी महाराज, बागावास अहिरान के ओंकारदासजी महाराज, नीलका संत महामंडलेश्वर रामदासजी महाराज, महामंडलेश्वर मोहनदासजी महाराज के सानिध्य में होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। कार्यकर्ताओं की ओर से भी लगातार व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है।

1.5 लाख श्रद्धालुओं की बनेगी प्रसादी...

तीन दिन तक आयोजित होने वाले चादरपोशी कार्यक्रम को लेकर करीब 1.5 लाख श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी तैयार की जा रही है। प्रसादी में लड्डू, पुड़ी, भूजिया, सब्जी परोसी जाएगी। 7 मई से 9 मई तक तीनों दिन 50-50 हजार श्रद्धालुओं के प्रसादी पाने का अनुमान है। 130 क्विंटल चीनी, 125 क्विंटल आटे, 100 क्विंटल बेसन, 50 क्विंटल आलू से तैयार होगी प्रसादी, 20 हलवाई, 60 हेल्पर जुटे... चादरपोशी के इस महा आयोजन को लेकर इसके लिए 130 क्विंटल चीनी के लड्डू बनाए जा रहे है। 125 क्विंटल आटे की पुड़ी बनाई जाएगी। लड्डू व भुजिया के लिए 100 क्विंटल बेसन काम में आएगा। प्रसादी के लिए 300 पीपे देशी घी काम में लिए जाएंगे। 30 क्विंटल आलू, 10 क्विंटल टमाटर, 1 क्विंटल हरि मिर्च, 1 क्विंटल धनियां से सब्जी बनाई जाएगी। प्रसाद बनाने के लिए 20 हलवाइयों व 60 हेल्परों की टीम रविवार से जुट गई थी ।

कार्यक्रम में पांचों मंडलों के 1000 साधु संत पधारेंगे

चादरपोशी कार्यक्रम में पैंतालीसा, बत्तीसा, शेखावाटी, सत्ताईशा व जयपुर मंडल के करीब एक हजार साधु-संत पधारेंगे। इसके अलावा भाबरू, आंतेला, ढाणी गैसकान, लुहाकना कला, कैरली, बजरंगपुरा, बागावास अहिरान, किशनपुरा, छींतौली, लाडाकाबास आदि ग्राम पंचायतों के करीब 50 गांवों से सहित दूरदराज से श्रद्धालु शिरकत करेंगे। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल को लेकर 50 टैंकर मंगवाए गए है। सुविधा को लेकर तीन चलित शौचालय लगाएं जाएंगे।

दो स्थानों पर बनेगी पार्किंग, आंतेला यूथ टीम के 42 सदस्य संभालेंगे व्यवस्था...

कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर से 500 मीटर पहले गोशाला के पास दो पार्किंग बनाई गई है। गोशाला के सामने चौपहिया वाहनों की पार्किंग बनाई गई। गोशाला के पीछे दुपहिया वाहनों की पार्किंग रहेगी। दोनों पार्किंग की व्यवस्था आंतेला यूथ टीम के 42 सदस्य संभालेंगे।

800 कार्यकर्ता संभालेंगे व्यवस्था...

इस भव्य आयोजन को लेकर तीन दिन तक 800 कार्यकर्ता व्यवस्था संभालेंगे। खोया पाया को लेकर मंदिर के पास एक कंट्रोल रूप बनाया जाएगा। करीब 50 कार्यकर्ता बदमाशों पर रखेंगे। प्रसादी को लेकर महिला व पुरुषों के लिए अलग अलग 15 बीघा जमीन में टैंट लगाया जा रहा है। प्राथमिक उपचार को लेकर चिकित्सा सहित बिजली निगम की टीम भी मौजूद रहेगी। शांति व्यवस्था को लेकर भाबरू थाना प्रभारी जयप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता मौजूद रहेगा।

चादरपोशी में हेलीकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

संत रामदासजी महाराज ने बताया कि चादरपोशी कार्यक्रम में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होगी। सुबह 8 बजे समाधि पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। 10 बजे से प्रसादी वितरण शुरू किया जाएगा। दोपहर 12.15 बजे चादरपोशी होगी, जिसमें हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होगी। दोपहर एक बजे साधु-संतों व ब्राह्मणों की विदाई होगी। इसी दौरान रासलीला मैदान में सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन होगा। 8 व 9 मई को प्रसादी वितरण होगा। तीनों तीन अलवर की पार्टी द्वारा रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी जाएगी, जिसमें सजीव झांकी आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डोटासरा का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

दूदू(निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का अजमेर जाते समय दूदू पुलिया के पास डॉ. इकबाल अहमद ने युवा साथियों के साथ स्वागत किया। स्वागत के दौरान युवा नेता एन एस यू आई के राष्ट्रीय सचिव हुसैन सुल्तानिया, अधिवक्ता इमरान खान मंसूरी, पार्षद शेख फूल मोहम्मद,ब्लाक कांग्रेस सचिव हरी सिंह दीया, संदीप सुकरिया, अधिवक्ता सुमित शर्मा, शब्बीर मोहम्मद, सुनील धाभाई,अयान कुरेशी सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

4 केन्टर सामान किया जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अर्जुन फाटक के पास, लता सर्किल से कांटा चौराहा, कल्याण कुन्ज खिरणी फाटक रोड, प्रताप डेयरी, निवारू रोड, मुरलीपुरा 1 नं. के पास अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में अर्जुन फाटक के पास, लता सर्किल से कांटा चौराहा, कल्याण कुन्ज खिरणी फाटक रोड, प्रताप डेयरी, निवारू रोड, मुरलीपुरा 1 नं. के पास तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया। दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

डोल का बाढ़ वन क्षेत्र बचाये जाने की मांग, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

हजारों पेड़ों और पक्षियों का आशियाना है डोल का बाढ़

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) राजधानी जयपुर के डोल का बाढ़ वन क्षेत्र में फिनटेक पार्क एवं मॉल और रेजिडेंशियल स्पेस बनाने के लिये 2500 पेड़ों की कटाई की योजना बनाई गई है। इस वन क्षेत्र को बचाये जाने के लिये सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार हाडिया ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र लिखकर पेड़ों की कटाई को रोकने की मांग की। पत्र में लिखा है कि डोल का बाढ़ हजारों पेड़ों और पक्षियों का आशियाना है। यह क्षेत्र एक घना वन है, जिसे कुंज कहा जाता है, और यह शहर के बीचों-बीच स्थित है। यह 40 हैक्टेयर में फैला वन क्षेत्र है, जिसमें करीब ढ़ाई हजार पेड़ और 80 से अधिक प्रजातियों के हजारों पक्षी निवास करते हैं। इनमें अनेकों औषधीय पेड़ पौधे भी शामिल हैं। इस क्षेत्र में फिनटेक पार्क एवं मॉल और रेजिडेंशियल स्पेस के लिए 2500 पेड़ों की कटाई की योजना बनाई गई है, जो कि पर्यावरण के लिए विनाशकारी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को यहां से हटाये या इसमें बदलाव किए जाएं, जिससे पेड़ों की कटाई रोकी जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत करवाते हुये लिखा है कि पेड़ों की कटाई से ना केवल पर्यावरण को नुकसान होगा, बल्कि आने वाली पीढियों के भविष्य और उनकी सांसें भी प्रभावित होंगी। हाडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर ध्यान दें और पर्यावरण की रक्षा के लिये आवश्यक कदम उठायें। हाडिया ने कहा कि सरकार पर्यावरण की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध हैं और इस मुद्दे पर सरकार से सकारात्मक कार्यवाही की उम्मीद हैं।

स्थानान्तरण बैन अवधि में एपीओ और अन्य तकनीक से रिक्त पद पर लगाने पर होगी कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य सरकार के कार्मिकों के स्थानान्तरण पर 15 जनवरी,.2023 से पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस सम्बंध में प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग की शासन सचिव उर्मिला राजोरिया ने बताया कि इस सम्बंध में स्पष्ट किया जाता है कि स्थानान्तरण प्रतिबंध अवधि में कार्मिकों को आदेशों की प्रतीक्षा (ए.पी.ओं.) अथवा अन्य माध्यम से इच्छित जगह रिक्त पद पर पदस्थापन आदेश जारी करने को राज्य सरकार के आदेश की अवज्ञा समझा जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बैन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उच्चतम न्यायालय के द्वारा एस.सी. मेहता बनाम भारत संघ व अन्य के केस में दिए गए निर्णय की पालना में राज्य के गृह विभाग ने राज्य के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सम्पूर्ण वर्ष पटाखे चलाने, इसके विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय (जिसमें ऑनलाइन विक्रय भी शामिल है) और वितरण को प्रतिबंधित कर दिया है।

राजस्थान के 6 जिलों में बारिश

जयपुर(कासं.) राजस्थान में मंगलवार को भी पश्चिमी विक्षोभ का असर जारी रहा। जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, सवाई माधोपुर, टोंक समेत कई जिलों में बारिश हुई। जोधपुर, उदयपुर भीलवाड़ा समेत 7 जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार बुधवार को 6 जिलों में 40 से 70 किलोमीटर की आंधी चलने और बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट है। साथ ही 15 जिलों में येलो अलर्ट है। राज्य में 10 मई तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताते हुए 30 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

फुलेरा रेलवे स्टेशन पर महिलाओं की सेवा भावनाः निशुल्क जल सेवा में बढ़-चढ़कर निभा रही हैं भागीदारी

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) गर्मियों की भीषण तपन में जहां आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है, वहीं फुलेरा रेलवे स्टेशन पर एक सुखद दृश्य देखने को मिल रहा है। यहां दैनिक रेल यात्री महासंघ, फुलेरा द्वारा संचालित निशुल्क जल सेवा अभियान में स्थानीय महिलाएं अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। सुबह से शाम तक ये महिलाएं स्टेशन पर आने-जाने वाले रेल यात्रियों को ठंडा और स्वच्छ पानी उपलब्ध करवा रही हैं। सेवा की इस भावना से ओतप्रोत महिलाएं न सिर्फ यात्रियों को राहत पहुंचा रही हैं, बल्कि समाज के सामने नारी शक्ति और सामूहिक प्रयासों का सशक्त उदाहरण भी पेश कर रही हैं। दैनिक रेल यात्री महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सेवा गर्मी के पूरे मौसम तक निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि जल सेवा अभियान में महिलाओं की सहभागिता से अभियान को नई ऊर्जा मिली है और यात्रियों में भी इसके प्रति विशेष सराहना देखने को मिल रही है। यात्रियों ने भी इस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में यह कार्य किसी पुण्य से कम नहीं है। महिलाएं जिस लगन और आत्मीयता से सेवा कर रही हैं, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। इस मौके पर श्यामलाल सैनी जल प्रभारी,,शेषनारायण सैनी, अशोक अग्रवाल,कैलाश सोनी, किशन सिंह भाटी, मुकेश जैन,ऋषभ सैनी, युवराज,सारांश, तन्मय गुर्जर,मोहित,हर्षित,कल्प सैनी,पूजा भाटी,गीता शर्मा, रजनी कुमावत,,मोनिका जांगिड़, बीना शर्मा,ममता सैनी, कुलप्रीत,कशिश, सहित कई लोग जल सेवा कर पुण्य का काम कर रहे हैं।

ई-श्रम कार्ड वितरण हेतु सामूहिक पंजीकरण शिविर आयोजित, 63 श्रमिकों को मिले कार्ड

जयपुर(कासं.) राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, महानगर प्रथम एवं द्वितीय द्वारा मंगलवार को हीरापुरा चौराहा, 200 फीट बाईपास स्थित मजदूर चौखटी पर सामूहिक पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रम विभाग, कॉमन सर्विस सेंटर, ट्रेड यूनियन, एक्शन एड व आजीविका एनजीओ के सहयोग से 63 श्रमिकों को मौके पर ही ई-श्रम कार्ड जारी किए गए, जबकि 65 श्रमिकों के पंजीकरण फार्म भरे गए। साथ ही 200 से अधिक श्रमिकों को हाजिरी डायरी वितरित की गई। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला के सचिव श्री पवन कुमार जीनवाल और जयपुर महानगर प्रथम के सचिव दीपेन्द्र माथुर ने उपस्थित श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों और श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जीनवाल ने बताया कि जो श्रमिक इस शिविर में पंजीकरण नहीं करवा पाए हैं, उनके लिए 7 मई को सीकर रोड स्थित विश्वकर्मा रोड नं. 14 व 8 मई को सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित इंडिया गेट पर शिविर आयोजित किए जाएंगे।
पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक व मोबाइल साथ लाना अनिवार्य है।

जीवन की सबसे ज्यादा खुशी मानव सेवा- नित्येन्द्र मानव

विशाल निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) जीवन बचाओ आंदोलन व शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को विराटनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशाल निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। जीवन बचाओ आंदोलन के मुख्य संयोजक एवं शिविर संयोजक नित्येन्द्र मानव ने बताया कि शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर व विराटनगर सीएचसी में कार्यरत चिकित्सकों ने अपनी सेवायें दी। शिविर में कुल 115 मरीजों की निशुल्क आंखों की जांच की गई तथा एक दर्जन मोतियाबिंद से पीड़ित रोगियों का ऑपरेशन जयपुर के शंकरा आई हॉस्पिटल में निशुल्क किया जायेगा। जिन्हें ऑपरेशन के लिये जयपुर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल ले जाया गया है। मानव ने कहा कि जीवन में सबसे ज्यादा खुशी मानव सेवा से ही संभव है। इस कैंप द्वारा लोगों की आंखों को फिर से रोशनी मिल सकेगी, इससे बढकऱ कोई खुशी नहीं है। सामाजिक कार्यकर्ता बलवंत मीणा ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इंसान का सच्चा धर्म मानव सेवा होना चाहिये। ग्रामीणों ने अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। शिविर का निरीक्षण करते हुये बीसीएमओ डॉ. सुनील मीना, सीएचसी प्रभारी डॉ. चेतन देव सैनी व राजकीय आयुर्वेद औषधालय विराटनगर के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र वर्मा ने कहा कि मोतियाबिंद की समस्या के चलते भारत में करोड़ों लोगों के जीवन में अंधेरा छा जाता है। जिससे उनका जीवन बेहद कष्टमय हो जाता है। इसलिये हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि मोतियाबिंद से पीड़ित लोगों को राज्य सरकार द्वारा आयोजित किये जा रहे शिविरों में ले जाकर इनके जीवन से अंधेरा मिटाकर इंसानियत के प्रति अपना कर्तव्य निभायें। शिविर में जीवन बचाओ आंदोलन के मुख्य संयोजक एवं शिविर संयोजक नित्येन्द्र मानव, बलवंत मीना, राजेश कुमार हाडिया, विक्रम जितरवाल, राजेन्द्र यादव, विनोद सूरजपुरा, पवन खर्रा, अजय व विष्णु मीना, नरेश दुहारिया सहित अनेकों कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवायें दी।

लू–तापघात प्रबंधन के लिए आरएमएससीएल का सघन निरीक्षण अभियान

हर जिले में दवा आपूर्ति एवं उपकरणों की क्रियाशीलता का होगा निरीक्षण, दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य में लू–तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत दवाओं की निर्बाध एवं समुचित आपूर्ति तथा चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता को लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 27 टीमों का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में लू–तापघात की स्थितियों में आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लू–तापघात से बचाव एवं उचपार आदि के संबंध में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि राज्य में हीटवेव की सम्भावनाओं को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निगम में कार्यरत विशेषाधिकारी, समस्त कार्यकारी निदेशक, लेखाधिकारी तथा जिला औषधि भण्डार गृह के प्रभारी अधिकारी को जिलों का आवंटन कर यह निरीक्षण करवाए जाएंगे। इसके लिए दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें निरीक्षण कर जिले में औषधियों, उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर 30 मई, 2025 तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट देंगी। समस्त टीमों द्वारा न्यूनतम एक भण्डार गृह, एक जिला चिकित्सालय एवं एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया जाएगा। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित जिलों में न्यूनतम 2 दिवस तक गहन परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण में सम्भाग स्तर पर कार्यरत बायोमेडिकल इंजीनियर, संबंधित प्रभारी अधिकारी एवं फार्मासिस्ट भी सहयोग प्रदान करेंगे।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर जारीः 6 जिलों में बारिश, 22 शहरों में अलर्ट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में मंगलवार को पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम का मिजाज बदला रहा। जालोर, जोधपुर, बाड़मेर, उदयपुर, टोंक और सवाई माधोपुर सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। वहीं, मौसम विभाग ने बुधवार को 6 जिलों में 40 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 15 जिलों में येलो अलर्ट भी घोषित किया गया है। राज्य में 10 मई तक आंधी और बरसात का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 30 जिलों में येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मंगलवार को उदयपुर में 15.2 मिमी बारिश हुई, जबकि बाड़मेर में 3 मिमी और सीकर में 1 मिमी बारिश दर्ज की गई। कई जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान बाड़मेर और जैसलमेर में 36.4 दर्ज हुआ। वहीं, जयपुर में अधिकतम तापमान 32.5एष्ट रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट आ सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

जयपुर के बीचोंबीच स्थित IOCL एलपीजी गैस प्लांट पर हाईकोर्ट सख्त

कंपनी से शिफ्टिंग की योजना मांगी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीतापुरा में स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एलपीजी गैस बॉटलिंग प्लांट को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव की खंडपीठ ने कंपनी से यह जानकारी मांगी है कि क्या उन्होंने इस प्लांट को शहर से बाहर स्थानांतरित करने की कोई योजना बनाई है। यह टिप्पणी ओमप्रकाश टांक द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। कोर्ट ने राज्य सरकार से भी पूछा है कि क्या यह गैस प्लांट वर्तमान में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर रहा है। साथ ही, पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को भी इस मामले में पक्षकार बनाने के निर्देश दिए गए हैं। याचिकाकर्ता के वकील डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि जब 1996 में यह प्लांट बना था, तब यह क्षेत्र आबादी से दूर था। लेकिन अब इसके चारों ओर घनी आबादी, शैक्षणिक संस्थान जैसे महात्मा गांधी अस्पताल, पूर्णिमा कॉलेज, राजस्थान फार्मेसी काउंसिल, और कई रिहायशी मल्टीस्टोरी इमारतें बन चुकी हैं। पास ही HPCL का एक पेट्रोल पंप भी संचालित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस प्लांट में जामनगर-लूणी पाइपलाइन से उच्च दबाव पर एलपीजी गैस की आपूर्ति होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में जनहित को ध्यान में रखते हुए प्लांट को शहर से बाहर स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया है।

मानसिक रुग्णता, समाज और सरकार

> *देश में प्रति 4.1 लाख की जनसंख्या पर एक मनोचिकित्सक उपलब्ध है। इनमें से भी ज्यादातर महानगरों और बड़े शहरों में केंद्रित हैं। हमारे स्वास्थ्य के कुल बजट में से डेढ़ फीसद से भी कम हिस्सा मानसिक स्वास्थ्य के लिए खर्च होता है। देश में छोटे-बड़े मिलाकर कुल 443 मानसिक चिकित्सालय हैं। इनमें से अधिकतर काफी बदतर स्थिति में हैं। वर्ष 1982 में भारत में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया गया था। वर्ष 2015-16 तक यह कार्यक्रम महज 241 जिलों तक पहुंच पाया। जहां पहुंचा भी, वहां इसका क्रियान्वयन बेहद लचर रहा है। मानसिक चिकित्सा में दवाओं से उपचार पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जबकि वास्तव में परामर्श, समझ विकास, समाज में पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा पर सबसे ज्यादा पहल किए जाने की जरूरत है। देश में वर्ष 1997 से- सर्वोच्च न्यायालय के दखल के बाद से- इस विषय पर थोड़ी-बहुत चर्चा होनी जरूर शुरू हुई, पर समाज...*

मानसिक रोगियों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की चिंता नई नहीं है। इसके पहले भी न्यायालय देश में बढ़ रहे मानसिक रोगियों को लेकर अपनी चिंता जता चुका है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के इस बार के आदेश में मानसिक रोगियों के पुनर्वास की बात भी कही गई है। कोर्ट ने माना है कि ऐसे कई रोगी स्वस्थ होने के बाद भी मानसिक चिकित्सालयों में पड़े रहते हैं और उन्हें वहीं अपना शेष जीवन बिताना पड़ता है। दरअसल, यह तथ्य अदालत के संज्ञान में आया था कि बरेली के मानसिक चिकित्सालय में भर्ती साठ लोग पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद भी वर्षों से अस्पताल में पड़े हुए हैं। वजह यह कि इनका कोई ठौर-ठिकाना नहीं है। इस मामले के मद्देनजर ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार को ऐसे लोगों के पुनर्वास पर ध्यान देना चाहिए। बात सिर्फ बरेली या उत्तर प्रदेश की नहीं है। पिछले अठारह से बीस सालों में मानसिक रोगों की वजह से 1,89,378 लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। राष्ट्रीय अपराध अनुसंधान संस्थान के नए आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते एक साल में पैरालिसिस और मानसिक रोगों से प्रभावित 8,409 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों के लोग शामिल हैं।

अवसाद मानसिक अस्वस्थता का एक रूप है जिसका असर व्यवहार, व्यक्तित्व, सोचने और विचार करने की क्षमता, आत्मविश्वास और संबंधों पर पड़ता है। वर्ष 1990 में भारत में चार फीसद लोग किसी न किसी तरह के मानसिक रोग से ग्रस्त थे। यह संख्या वर्ष 2013 में बढ़ कर दोगुनी यानी जनसंख्या का आठ फीसद हो गई। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के मुताबिक भारत में लगभग सात करोड़ लोग मानसिक रोगों से ग्रस्त हैं। यहां सिर्फ तीन हजार मनोचिकित्सकों की उपलब्धता है, जबकि जरूरत लगभग बारह हजार की और है। देश में अट्ठाईस हजार मनोचिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं की जरूरत है, जबकि महज साढें तीन सौ के आसपास ऐसे कार्यकर्ता मौजूद हैं। देश में मानसिक स्वास्थ्य की नीति बनाने में अक्सर गंभीर विकारों की ही फिक्र की जाती है और आम मानसिक बीमारियों को नजरअंदाज किया जाता है, जबकि ये सामान्य मानसिक रोग ही बाद में गंभीर मानसिक रोग की शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। अत जरूरी है कि बड़े-बड़े निजी अस्पतालों के स्थान पर समुदाय केंद्रित मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था बने। देश में मानसिक रोगों के शिकार दस में एक ही व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, शेष नौ को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। यहां तक कि सामान्य पारिवारिक और सामाजिक जीवन से ऐसे पीड़ितों को पूरी तरह से बहिष्कृत कर दिया जाता है।

देश में प्रति 4.1 लाख की जनसंख्या पर एक मनोचिकित्सक उपलब्ध है। इनमें से भी ज्यादातर महानगरों और बड़े शहरों में केंद्रित हैं। हमारे स्वास्थ्य के कुल बजट में से डेढ़ फीसद से भी कम हिस्सा मानसिक स्वास्थ्य के लिए खर्च होता है। देश में छोटे-बड़े मिलाकर कुल 443 मानसिक चिकित्सालय हैं। इनमें से अधिकतर काफी बदतर स्थिति में हैं। वर्ष 1982 में भारत में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया गया था। वर्ष 2015-16 तक यह कार्यक्रम महज 241 जिलों तक पहुंच पाया। जहां पहुंचा भी, वहां इसका क्रियान्वयन बेहद लचर रहा है। मानसिक चिकित्सा में दवाओं से उपचार पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जबकि वास्तव में परामर्श, समझ विकास, समाज में पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा पर सबसे ज्यादा पहल किए जाने की जरूरत है। देश में वर्ष 1997 से- सर्वोच्च न्यायालय के दखल के बाद से- इस विषय पर थोड़ी-बहुत चर्चा होनी जरूर शुरू हुई, पर समाज आधारित मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एक हकीकत नहीं बन पाया है। देश में वर्ष 2014 में मानसिक स्वास्थ्य नीति बनी और इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य देखभाल विधेयक संसद में आया। इस विधेयक में भी मानसिक रोगियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार और हिंसा को रोकने के कोई खास प्रावधान नहीं थे। इस तरह के रोगियों का पुनर्वास भी एक चुनौती बना हुआ है।

केंद्र सरकार ने लोकसभा में बीते साल स्पष्ट किया कि साल 2015 तक एक से दो करोड़ भारतीय गंभीर मानसिक विकारों के शिकार हैं, जिनमें सिजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर प्रमुख हैं और करीब पांच करोड़ आबादी अवसाद और चिंता जैसे सामान्य मानसिक विकारों से ग्रस्त है। यह आंकड़ा किसी निजी सर्वेक्षण एजेंसी का नहीं, बल्कि खुद भारत सरकार का है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की साल 2011 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत अपने स्वास्थ्य बजट का महज 0.06 फीसद हिस्सा मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च करता है। यह बांग्लादेश से भी कम है जो अपने स्वास्थ्य बजट का करीब 0.44 फीसद इस मद में खर्च करता है। दुनिया के ज्यादातर विकसित देश अपने स्वास्थ्य बजट का छह से आठ फीसद हिस्सा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी शोध, अवसंरचना और फ्रेमवर्क पर खर्च करते हैं।

सरकार ने 'नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज' से राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण कराया था, ताकि देश में मानसिक रोगियों की संख्या और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग के पैटर्न का पता लगाया जा सके। इस बारे में लोकसभा में बताया गया कि यह सर्वेक्षण 1 जून 2015 से 5 अप्रैल 2016 तक चला। लेकिन सर्वेक्षण में आए सुझाव कागजों में ही सिमट कर रह गए। लेकिन अब समय आ गया है कि विशेषज्ञों के सुझावों पर तत्काल प्रभाव से अमल किया जाए ताकि देश में बढ़ रही मानसिक रोगियों की संख्या में कमी लाई जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2020 तक अवसाद विश्व में दूसरा सबसे बड़ा रोग होगा। मानसिक रोगियों की इतनी बढ़ी हुई संख्या का उपचार विकासशील ही नहीं, विकसित देशों की भी क्षमताओं से परे होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एकत्रित किए गए आंकड़ों के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों और मानसिक रोगों की रोकथाम व इलाज के लिए उपलब्ध संसाधनों के बीच एक बड़ी खाई है। ऐसे में मानसिक रोगियों की बढ़ती संख्या भारत ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी चिंता का बड़ा विषय है देश में पैंतीस लाख से भी ज्यादा ऐसे मानसिक रोगी ऐसे हैं जिन्हें तत्काल स्तरीय उपचार और भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक मानसिक बीमारियों का इलाज करवाने वालों में तीस फीसद युवा हैं। बेहतर रोजगार पाने और अति महत्त्वाकांक्षा के चलते युवा पहले तनाव, फिर अवसाद और अंतत मनोरोगों की चपेट में आ रहे हैं। कई तरह के व्यसनों से घिर जाने और अनियमित जीवनशैली अपनाने के कारण भी युवा मानसिक रोगों के शिकार बन रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य हमारे सामाजिक ढांचे और सामाजिक व्यवहार से भी जुड़ा मसला है। एक दूसरे को सहारा दाने के सारे परंपरागत ताने-बाने टूटते जा रहे हैं और लोगों में अकेले पड़ जाने का अहसास बढ़ रहा है। शिक्षा से लेकर खेती तक, सारी समस्याओं का इलाज कर्ज की आसान उपलब्धता में ढूंढ़ा जा रहा है। इससे कर्जखोरी बढ़ रही है, और साथ ही तनाव भी बढ़ रहा है।

सम्पादकीय

धार्मिक आस्था या जान का खतरा, हादसों से सबक क्यों नहीं लेता समाज?

धार्मिक स्थलों, आयोजनों, उत्सवों में भीड़ को नियंत्रित न कर पाने, आवागमन का समुचित प्रबंध न होने से अक्सर भगदड़ मचने, दम घुटने आदि से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने, घायल हो जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर हैरानी की बात है कि उनसे कोई सबक नहीं लिया जाता। यहां तक कि उन्हीं जगहों पर दुबारा वैसे ही हादसे होते देखे जाते हैं। गोवा के एक मंदिर में हुआ हादसा इसका ताजा उदाहरण है। शनिवार को उस मंदिर उत्सव में भगदड़ मचने से छह लोग दब कर मर गए, जबकि सत्तर लोग घायल हो गए। घटना की प्राथमिक जांच से पता चला है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां गली संकरी और रास्ता ढलान वाला था। ढलान पर खड़े कुछ लोग असंतुलित होकर नीचे गिरे, जिससे भगदड़ मची और छह लोग दब कर मर गए। बताया जा रहा है कि उसी जगह ऐसी ही घटना पिछले वर्ष भी हुई थी, मगर गनीमत है कि उसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया, लोगों से अपील की थी कि वे आगे न बढ़ें, मगर वे नहीं माने और यह घटना घट गई। हालांकि घटना का असल कारण जांच रपट आने के बाद पता चल पाएगा, मगर प्राथमिक तथ्यों से जाहिर है कि मंदिर प्रबंधन भीड़ पर काबू करने में विफल रहा। वहां चालीस से पचास हजार लोग इकट्ठा हो गए बताए जा रहे हैं। हालांकि यह कोई नया अनुभव नहीं है। ज्यादातर धार्मिक आयोजनों में हुए हादसों के पीछे मुख्य वजह उनके आयोजकों की लापरवाही होती है। कायदे से किसी भी आयोजन से पहले उसकी तैयारियों के बारे में पुलिस को बताना होता है, फिर वह उसी के मुताबिक सुरक्षा इंतजाम करती है। मगर ज्यादातर ऐसे आयोजनों में इसे लेकर लापरवाही बरती जाती है और मान लिया जाता है कि श्रद्धालु स्वयं नियंत्रित व्यवहार करेंगे। पर, ऐसा हो नहीं पाता। अधिकतर मंदिरों, धार्मिक स्थलों के आसपास की जगहें संकरी हैं। जो मंदिर जितना पुराना है, वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए उतनी ही कम जगह देखी जाती है। फिर, उन रास्तों पर फूल-माला-प्रसाद आदि बेचने वाले अपनी दुकानें लगा कर रास्तों को और संकरा बना देते हैं। गोवा के मंदिर में भी यही स्थिति देखी गई। ऐसे में, जब अफरा-तफरी मचती है, किसी वजह से लोग अनियंत्रित होते हैं, तो उसमें लोगों के मारे जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे तथ्य आमतौर पर मंदिर के प्रबंधकों, उत्सव आयोजित करने वालों से छिपे नहीं होते। जब उन्हें पता होता है कि श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, तो उनके प्रवेश करने और निकलने का समुचित प्रबंध क्यों नहीं किया जाता। हादसे के लिहाज से संवेदनशील जगहों पर स्वयंसेवकों को क्यों खड़ा नहीं किया जाता, जो श्रद्धालुओं को सतर्क रह कर आगे बढ़ने का निर्देश दें। ऐसी घटनाओं को रोकने में कामयाबी न मिल पाने, आयोजकों, मंदिर प्रबंधकों को जिम्मेदार न बना पाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि ऐसे हादसे हो जाने के बाद प्राय उनकी जवाबदेही तय नहीं की जाती है।

सुरक्षा का तकाजा

इससे पहले भी सामान्य जन की तो दूर, देश के विभिन्न मंत्रालयों तक के सोशल मीडिया अकाउंट में सेंधमारी की जा चुकी है। साइबर चोर आज भारत ही नहीं, पूरे विश्व में परेशानी का सबब बने हुए हैं। आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जो इंटरनेट से अछूता हो, लेकिन साथ ही यह भी सत्य है कि कोई भी व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। अगर सरकार या संस्थान डाल-डाल हैं तो साइबर चोर पात-पात। ऊपर से क्रिप्टो करंसी ने चोरों को फिरौती की रकम लेने का सुगम और सुरक्षित रास्ता मुहैया करवा दिया है। साइबर चोरों से निपटने के लिए कड़े कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि ऐसे मामलों का शीघ्र निस्तारण भी आवश्यक है। अच्छा तो यह हो कि हमला होने से पहले ऐसे उपाय किए जाएं कि हमले कामयाब हो ही नहीं पाए। इसके लिए अत्यावश्यक कदम उठाए जाएं। हमारे देश मे हजारों की संख्या में ऐसे युवा हैं जो इन हमलों को रोकने की तकनीक विकसित कर सकते हैं, बशर्ते उनको उचित मौका दिया जाए। हमारे तकनीकी संस्थान बहुत समर्थ हैं। वे साइबर सुरक्षा के लिए बेहद मजबूत तकनीक बना सकते हैं। साइबर हमले रोकना समय की जरूरत है। आम जन को भी किसी लालच से बचना चाहिए और पुलिस की मदद करनी चाहिए। पुलिस भी जब तक ऐसे मामलों को तत्परता से नहीं लेगी, साइबर चोर अपना काम करते रहेंगे। हर जिले में साइबर विशेषज्ञ की नियुक्ति होनी चाहिए जो पुलिस की सहायता करे। साथ ही इन लोगों और पुलिस को समयबद्ध कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि साइबर चोरों को समय रहते पकड़ा जा सके। चीन के लगभग तीन सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में भारतीय सीमा में अतिक्रमण करने का दुस्साहस किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि बाद में कमांडर स्तर की बैठक के बाद मामला सुलझा लिया गया। उपर्युक्त घटना की पहले से ही आशंका लग रही थी। चीन में पूर्णबंदी और उसके बाद उपजे विद्रोह के हालात, शी जिनपिंग के इस्तीफे की मांग, चीन की गिरती आर्थिक स्थिति, बड़ी-बड़ी कंपनियों का बंद होना और भारत की ओर स्थानांतरित होना, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत, कोरोना संकट से भारत का खुद को संभाल लेना इस सब बातों ने जिनपिंग की खीज को बढ़ा दिया। वैसे भी चीन अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आता और अपने किए समझौतों पर कभी नहीं टिकता। ऐसा लगता है कि चीन की सेना को सरकारी निर्देश हैं कि बीच-बीच में भारतीय सीमा का छोटा-मोटा अतिक्रमण करके जांच करते रहो और दुश्मन की ताकत-तैयारी की थाह लेते रहो।

किसान का दुख

इसे लेकर वह तनाव में रहने लगा और आखिरकार जब कर्ज का बोझ उससे सहा नहीं गया तो उसने पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली! इस घटना के थोड़े दिनों बाद इसी तरह का एक और वाकया सामने आया जिसमें कर्ज के बोझ से दबे एक अन्य किसान ने फांसी लगा कर जान दे दी। किसानों की आत्महत्या से संबंधित खबरें अक्सर आती रहती हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा राज्य है, जहां किसान सरकारी तंत्र से हार कर लाचारी में आत्महत्या करने पर मजबूर नहीं हुआ हो।

म कभी-कभी सुबह पढ़ी एक सकारात्मक खबर दिनभर शरीर को स्फूर्त और मन को तरोताजा बनाए रखती है, वहीं बुरी खबर पर नजर पड़ने पर सारा दिन मन व्यथित और उदास रहता है। किसी भी खबर की पृष्ठभूमि में एक खास तरह का मनोविज्ञान होता है और समूची प्रक्रिया में इसका ध्यान रखा जाता है। इसलिए अब कई जगहों पर नकारात्मक खबरें पहले पन्ने पर छापने से बचने की कोशिश की जाती है। हालांकि यह अपने आप में सोचने की बात है कि अगर सच किन्हीं हालात में नकारात्मक प्रभाव पैदा करता है तो उससे लोगों को दूर रखने का हासिल क्या होगा! यों नकारात्मक खबर और सामाजिक जीवन से सरोकार रखने वाली खबरों में बड़ा अंतर होता है। नकारात्मक बातें जहां समाज में नकारात्मक ऊर्जा का विस्तार करती हैं, वहीं सामाजिक सरोकार से जुड़े ब्योरे समस्याओं पर सरकार और समाज को सतर्क करते हुए पाठक के मन-मस्तिष्क पर सकारात्मक छाप छोड़ते हैं। सामाजिक समस्याओं का गहन अध्ययन करके ही सरकार समाधान के लिए नीतियां बनाती है, जिसमें समाचार-माध्यमों की भूमिका अति महत्त्वपूर्ण होती है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते इन सब पर हमारी नजर रहती है, क्योंकि ये हमें संवेदनशील बनाते हैं और आशा करते हैं कि सामाजिक समस्याओं के समाधान की दिशा में हमारी सहभागिता बढ़े। कुछ समय पहले कर्ज से दबे किसान के पेड़ से लटक कर खुदकुशी कर लेने की एक खबर ने मन को बहुत परेशान करके रख दिया। पता चला कि महज दो बीघा जमीन के मालिकाना वाले किसान ने एक बैंक से पचास हजार रुपए का कर्ज लिया था। इसके अलावा भी उस पर अन्य लोगों के कर्ज थे। इसे लेकर वह तनाव में रहने लगा और आखिरकार जब कर्ज का बोझ उससे सहा नहीं गया तो उसने पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली! इस घटना के थोड़े दिनों बाद इसी तरह का एक और वाकया

सामने आया जिसमें कर्ज के बोझ से दबे एक अन्य किसान ने फांसी लगा कर जान दे दी। किसानों की आत्महत्या से संबंधित खबरें अक्सर आती रहती हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा राज्य है, जहां किसान सरकारी तंत्र से हार कर लाचारी में आत्महत्या करने पर मजबूर नहीं हुआ हो। इन घटनाओं के बारे में जानने के बाद मन में यह सवाल बार-बार आता रहा कि आखिर किसान आत्महत्या करने को मजबूर क्यों हो जाते हैं? इसकी क्या वजह हो सकती है कि सबका पेट भरने वाला 'अन्नदाता' खुद दो जून की रोटी के लिए तरसता रहता है? इसी तरह की जद्दोजहद से गुजरने के इन्हीं दिनों में सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग किसान का वीडियो काफी प्रसारित हुआ, जिसमें वह फूट-फूट कर रोते हुए एक पत्रकार को अपना दर्द सुना रहा था। वीडियो में वह बाढ़ के कारण फसल डूबने की बात कह रहा था कि 'मेरी फसल डूब गई! मेरी चार-चार बेटियां हैं! उनकी शादी के लिए पैसे नहीं हैं! अब उनकी शादी कैसे होगी?' व्यथित किसान के ये शब्द किस संवेदनशील मन को नहीं झकझोर देंगे? जहां यह यह गीत आए दिन आज भी सुनने को मिलता है कि 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोतीज', वहां के किसान आज हाशिये पर और उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। लेकिन किसानों की सुध लेने की फुर्सत किसी के पास नहीं है! सरकारी व्यवस्था के साथ-साथ प्रकृति भी कई बार किसानों के साथ अन्याय करती है। कभी बाढ़ या सूखे के तांडव से किसानों के सपने मार देती है, तो कभी सरकारी तंत्र का उपेक्षित रवैया किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर देता है। भारत के किसान आज इक्कीसवीं सदी में भी कृषि के लिए प्रकृति पर निर्भर हैं। कृषि के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक विकसित हो जाने के बाद भी अधिकतर किसानों के सामने फसलों की सिंचाई के लिए वर्षा जल की आस पर ही टिके रहने की लाचारी होती है। हम कोई ऐसी तकनीक विकसित कर पाने में असमर्थ रहे हैं जो बाढ़ से हमारी फसलों की रक्षा कर सके या सूखे में सिंचाई का अभाव न हो। किसानों को उनकी फसल का उचित दाम तक नहीं मिल पाता है। अगर वे सरकारी गोदाम में अपना अनाज बेचते हैं, तो उन्हें अपनी मेहनत की कमाई के लिए भी दफ्तरों का चक्कर लगाना पड़ता है। गनीमत यही है कि लाख मुश्किलों का सामना करते हुए भी कृषकों ने कृषि कार्य नहीं छोड़ा है।

अच्छी रोमांटिक फिल्मों की कमी पर बोले आर माधवन

आर माधवन हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने नेविल मैकिनले का किरदार निभाकर हर किसी का दिल जीत लिया। इस फिल्म के बाद अब माधवन आप जैसा कोई फिल्म में नजर आएंगे। इसी फिल्म के एक इंटरव्यू के दौरान जब आर माधवन से रोमांटिक फिल्मों को लेकर एक सवाल पूछा गया तो एक्टर ने जवाब में शाहरुख की तारीफ की और कहा कोई भी शाहरुख खान जैसा नहीं कर सकता.....

रोमांटिक फिल्मों को लेकर माधवन की राय न्यूज 18 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, आर माधवन जल्द ही नई फिल्म आप जैसा कोई में नजर आने वाले हैं, जो एक प्रेम कहानी है, जिसमें वे फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। माधवन का मानना है कि वृद्ध पुरुषों और महिलाओं की प्रेम कहानियां बहुत रोमांटिक होती हैं, लेकिन ऐसी कहानियां कम बन रही हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म ऐज गुड ऐज इट गेट्स का उदाहरण दिया और कहा कि भारतीय सिनेमा में ऐसी परिपक्व प्रेम कहानियों का अभाव है।

कैसी होना चाहिए स्क्रिप्ट

माधवन ने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हाल में कोई यादगार भारतीय रोमांटिक फिल्म नहीं आई। उन्होंने कहा कि उनकी उम्र (55 साल) के लिए उपयुक्त प्रेम कहानियां तो और भी मुश्किल से मिलती हैं। उनके मुताबिक, उनकी पीढ़ी प्यार और रिश्तों की गहराई को बेहतर समझती है, लेकिन अच्छे लेखकों की कमी है जो ऐसी कहानियां लिख सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रेम कहानियां अच्छी तरह से लिखी जाएं, तो वे दर्शकों को जरूर पसंद आएंगी।

शाहरुख को लेकर कही खास बात

आर माधवन ने शाहरुख की तारीफ की और उनका मानना है कि रोमांटिक फिल्मों के लिए शाहरुख जैसा कोई नहीं है। दरअसल, शाहरुख खान को रोमांस का बादशाह बताते हुए आर माधवन ने कहा कि उनके जैसा रोमांस कोई नहीं कर सकता।

आर माधवन जल्द ही फिल्म आप जैसा कोई में नजर आने वाले हैं। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसे विवेक सोनी ने निर्देशित किया है और करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। यह दो अलग-अलग व्यक्तियों की दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी है। इस फिल्म से पहले आर माधवन फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आए थे। केसर 2 में माधवन के अलावा अक्षय कुमार और अनन्या पांडे ने अहम भूमिका निभाई है।

दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना ही नहीं

अनुष्का शर्मा और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की दो सबसे मशहूर एक्ट्रेसेस हैं। दीपिका ने साल 2007 में बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था, जबकि अनुष्का ने एक साल बाद 2008 में एक्टिंग की तरफ कदम बढ़ाया। बॉलीवुड में कैटफाइट के कई किस्सों में से एक किस्सा अनुष्का और दीपिका का भी है। अनुष्का शर्मा और दीपिका एक ही शहर से हैं और उन्होंने एक ही कॉलेज, माउंट कार्मेल कॉलेज से पढ़ाई भी की है। अनुष्का ने कहा था कि उन्हें लेकर इतनी गॉसिप हुई है कि जब दोनों आमने-सामने मिलती हैं, तो उस समय वास्तव में सिचुएशन ऑकवर्ड हो जाता है।

अनुष्का और दीपिका की कैटफाइट के किस्से

ये कहानी उन दिनों की है जब अनुष्का और दीपिका की कैटफाइट के किस्से खबरों की सुर्खियां रहा करते थे। अपने काम में माहिर दोनों एक्ट्रेसेस करियर में आगे बढ़ रही थीं। एक बार अनुष्का ने एक इंटरव्यू में दीपिका की खिंचाई की थी और कहा था कि वह लोगों को नीचा दिखाना पसंद नहीं करतीं।

दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना नहीं है

बता दें कि अनुष्का ने कथित तौर पर पहले रणवीर सिंह को डेट किया था जो दीपिका के हसबैंड हैं। वहीं अनुष्का अब क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी हैं। एक इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा ने दीपिका पादुकोण के साथ अपने रिश्ते को लेकर कहा था, दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना नहीं है। हममें कोई समानता नहीं। हम दोनों अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं। बल्कि, उन्होंने और भी ज्यादा फिल्में की हैं। मैं बहुत ही चुनिंदा रही हूं। मैंने मेरे सामने आए हर रोल को नहीं चुना।

दीपिका और सोनम पर कॉमेंट

एक पुराने इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा से किसी जर्नलिस्ट ने पूछा था कि उन्हें सोनम कपूर और दीपिका पादुकोण की तरह इंडस्ट्री में क्यों नहीं जाना जाता? इस पर अनुष्का ने कहा कि उन्होंने लगातार तीन हिट फिल्में दी हैं और उन्हें उनके टैलेंट के लिए जाना जाता है। दीपिका और सोनम पर कॉमेंट करते हुए अनुष्का ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें उन दोनों एक्ट्रेसेस की तरह क्यों नहीं पहचाना जाता, लेकिन वह वास्तव में खुश हैं कि उन्हें उनके टैलेंट और काम के लिए लोग जानते हैं न कि उनके कपड़ों और कॉन्स्ट्रोवर्सी के लिए।

हम खुद को कूल कहते हैं लेकिन असल में हम कूल नहीं हैं

एक इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा से उनके और दीपिका के बीच कोल्ड वॉर को लेकर सवाल किया गया था। इस पर, एक्ट्रेस ने कहा था कि वो काम करने के लिए इंडस्ट्री में है, किसी से लड़ने के लिए नहीं। उन्होंने ये भी कहा था, दीपिका के एक दोस्त ने फोन करके बताया कि वो ये जवानी है दीवानी कर रही हैं, अनुष्का नहीं। मेरे दोस्त फोन नहीं करते, है न? कश्यप और हिरानी मेरे साथ फिल्में करना पसंद करते हैं। वह अयान और किसी और की पसंद हैं। मैं कभी किसी को नीचा नहीं दिखाती। यही बात मुझे अच्छा बनाती है, है न? मुझे लेकर बकवास करना बंद करो क्योंकि मैं तुम्हारे लिए ऐसा नहीं करती। हम खुद को कूल कहते हैं लेकिन असल में हम कूल नहीं हैं। मैं यह नहीं कह रही कि मैं किसी से बेहतर या खराब हूं। मैं खुद बहुत अच्छी स्थिति में हूं और कोई भी मेरा मजाक उड़ाकर इसे मुझसे नहीं छीन सकता।

अपने ऐड की फीस में कटौती को लेकर बोली वहीं एक इंटरव्यू में अपने ऐड की फीस में कटौती को लेकर बोलेत हुए अनुष्का शर्मा ने कहा था, मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मेरे पास काफी सारे ब्रैंड हैं और उनमें से हर एक ने कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू किया है, उनमें से कुछ ने तीसरी बार ऐसा किया। मुझे नहीं लगता कि और एक्ट्रेसेस के साथ ऐसा हो रहा है। मैं ज़रूर कुछ सही कर रही हूं।

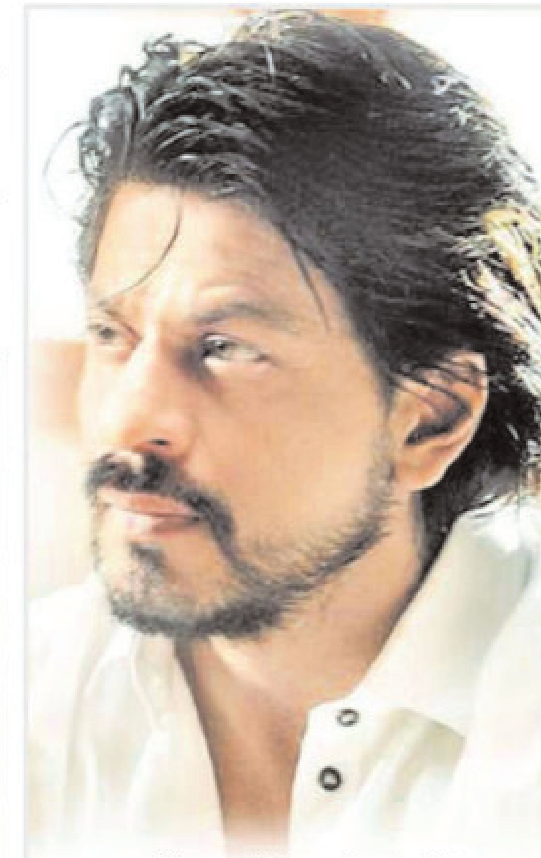

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में नजर आएंगे शाहरुख खान?

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान अब हॉलीवुड में नजर आ सकते हैं। कहा जा रहा है कि वह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) का हिस्सा बन सकते हैं। यह खबर सोशल मीडिया पर मार्वल लीक्स नाम के एक्स हैंडल ने दी है।

एक्स पोस्ट से फैंस उत्साहित

शाहरुख की तस्वीर के साथ साझा की गई इस जानकारी ने फैंस में उत्साह जगा दिया। पोस्ट में दावा किया गया है कि शाहरुख और मार्वल स्टूडियोज के बीच एक प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, यह साफ कर दिया गया कि यह प्रोजेक्ट आगामी फिल्म 'एवेंजर्स- डूम्सडे' का हिस्सा नहीं है। अगर यह खबर सही साबित हुई तो शाहरुख बॉलीवुड के उन चुनिंदा सितारों में शामिल हो जाएंगे जो मार्वल की इस विशाल दुनिया का हिस्सा बने हैं।

मार्वल के साथ शाहरुख की बातचीत

शाहरुख खान मार्वल स्टूडियोज के साथ एक भविष्य के प्रोजेक्ट के लिए शुरुआती बातचीत में हैं (यह एवेंजर्स- डूम्सडे नहीं है)। इस ट्वीट ने फैंस के बीच हलचल मचा दी। हालांकि, न तो मार्वल स्टूडियोज और न ही शाहरुख की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। अगर ऐसा होता है तो फरहान अख्तर, हरीश पटेल, और मोहन कपूर जैसे अभिनेताओं की लिस्ट में शाहरुख खान भी शामिल हो जाएंगे।

हॉलीवुड सितारों को पसंद हैं किंग खान

मार्वल की फिल्मों में काम कर चुके कई अभिनेता को पसंद शाहरुख खान काफी पसंद हैं। हाल ही में 'कैप्टन अमेरिका- ब्रेव न्यू वर्ल्ड' के स्टार एंथनी मैकी ने शाहरुख को अपनी पसंदीदा बॉलीवुड हस्ती बताया था। मैकी ने शाहरुख को कमाल का अभिनेता बताते हुए जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वह उनके साथ भारत के किसी द्वीप पर उड़ान भरना चाहेंगे। उनकी फिल्म में हिंद महासागर में एक इटर्नल के उभरने की कहानी दिखाई गई थी, जिसने भारत से एक सुपरहीरो या विलेन के उभरने की संभावना को जन्म दिया था। इसके अलावा डॉक्टर स्ट्रेंज यानी बेनेडिक्ट कंबरबैच भी शाहरुख के टैलेंट की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि शाहरुख जैसे सितारे मार्वल की दुनिया में शानदार योगदान दे सकते हैं। 'मिस मार्वल' सीरीज में कमाला उन्हें अपना पसंदीदा अभिनेता बता चुकी हैं। साथ ही, 'स्वदेस' का गाना 'डेडपूल 2' में भी सुनाई दे चुका है।

किंग में जल्द आएंगे नजर

वर्क फंट की बात करें तो डंकी के बाद शाहरुख खान जल्द ही किंग में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन और सुहाना खान भी हैं। फिल्म का निर्देशन पठान बना चुके सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

भूल चूक माफ के अलावा इन फिल्मों में नजर आएंगी वामिका गब्बी, शुरू हुई शूटिंग

फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी अहम किरदार में हैं। वामिका गब्बी हिंदी के अलावा पंजाबी और तमिल सिनेमा में नजर आती हैं। वामिका गब्बी इससे पहले जब वी मेट, लव आज कल और मौसम जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि वामिका गब्बी आगे किन फिल्मों में नजर आएंगी।

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग फिल्म का एलान पिछले साल नवंबर में किया गया था। नवंबर में ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी। इस फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा जया बच्चन, सिद्धांत चतुर्वेदी और स्वानन्द किरकिरे साथ में काम करने वाले हैं। यह फिल्म इमोशनल ड्रामा होगी। इस फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया गया है।

भूत बंगला

भूत बंगला फिल्म साल 2026 में रिलीज होने वाली है। फिल्म के नाम से ही लग रहा है कि यह फिल्म हॉरर होगी। हालांकि यह फिल्म हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा अक्षय कुमार होंगे। इसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं।

किकली

किकली फिल्म पंजाबी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन कवि राज कर रहे हैं। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा मैंडी टाखर और जोबनप्रीत सिंह होंगे। इसे जोबनप्रीत सिंह, कमलजीत सिंह और मैंडी टाखर ने लिखा है।

टीकी टाका

टीकी टाका फिल्म मलयालम फिल्म है। इसकी शूटिंग जारी है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं। फिल्म में असिफ अली, लुकमान अवरान और वामिका गब्बी हैं। फिल्म को फिरोज नजीब, नियोग और यदु पुष्पाकरण ने लिखा है।

जी2

जी2 तेलुगु फिल्म है। यह जासूसी थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा अदिवी सेष, इमरान हाशमी और मधु शालिनी हैं। फिल्म का निर्देशन विनय कुमार श्रीजनी कर रहे हैं। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई फिल्म गुडाचारी की सीक्वल है।

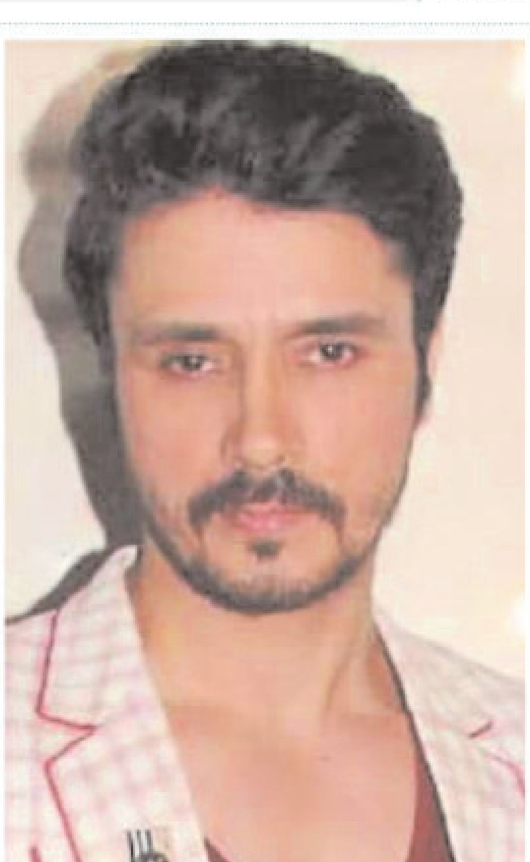

हम आउटसाइडर के लिए राह आसान नहीं होती

इंडस्ट्री में लगभग 15 साल बिता चुके दर्शन कुमार उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने संघर्ष भी खूब किया, मगर उन्हें उस स्ट्रगल का फल भी मिला। कई यादगार फिल्में कर चुका ये अदाकार एक समय छोटे पर्दे पर भी काफी लोकप्रिय रहा। मगर बीते कुछ सालों में दर्शन ने ओटीटी पर सराहनीय काम किया है। आश्रम सीरीज का उजागर सिंह जैसा पॉजिटिव किरदार हो या फिर द फैमिली मैन का नेगेटिव चरित्र मेजर समीर, दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया है।

एक वो भी दौर था जब इस मायानगरी में आपको कोई जानता नहीं था, मगर अब सोशल मीडिया हो या आम लोग, आपकी फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हुआ है?

हां, वाकई ये काफी कमाल की यात्रा रही है। हाल ही में मैं फैमिली मैन थ्री की शूटिंग के लिए लंदन में था। हमें भूख भी काफी लग रही थी और हमने काफी अच्छे से ऑर्डर दिया। खा -पी कर जब मैंने बिल देने के लिए होटल वाले को अपना कार्ड दिया, तो वो बोले, मैं उजागर सिंह (आश्रम में उनके किरदार का नाम) से पैसे कैसे ले सकता हूं? वो अच्छा-खासा बिल था। मैंने काफी आग्रह किया, इसके बावजूद उन लोगों ने बिल नहीं लिया। फिर और एक बात हुई। वहां बादाम और मैदे का केक था, जो मैदा होने के कारण मैं खा नहीं सका था, मगर तभी देखता हूं कि होटल वालों ने मेरे लिए खास तौर पर आटे और बादाम का केक बना कर दिया। मैं तो उनके इस जेस्चर से काफी भावुक हो गया। ऐसा मेरे साथ लंदन के कई रेस्त्रां में हुआ, जहां लोग मुझसे बिल के पैसे लेने को राजी नहीं थे। लंदन के एक फेमस क्लब में यही हुआ। हम दस-बारह लोगों ने खाया, मगर होटल वालों को बिल नहीं बल्कि मेरे साथ तस्वीर खिंचवानी थी। आज मैं इंडिया हो या विदेश कहीं भी जाता हूं, तो लोग मुझे बहुत प्यार देते हैं। मगर मैं वो दिन नहीं भूल सकता, जब मैं मुंबई में दर-दर की ठोकरें खाया करता था।

ऐसा कोई रिजेक्शन जो आप पर बहुत भारी पड़ा हो?

रोल्स के लिए कई बार नकारे जाने के दर्द से गुजरा हूं, मगर एक रिजेक्शन मुझे सदमा दे गया। बहुत बड़ी फिल्म थी। निर्देशक भी काफी दिग्गज थे। मैं उनका नाम नहीं बताना चाहूंगा, मगर उस मेन रोल के लिए नसीर सर (नसीरुद्दीन शाह) ने मुझे रिकमंड किया था। मैंने ऑडिशन दिया और मैं चुन लिया गया। मैं बहुत खुश और उत्साहित था, क्योंकि उस फिल्म में मुझे एक साथ मुझे पांच कैरेक्टर करने का मौका मिलने वाला था। उस भूमिका के लिए मुझे अपने बाल और दाढ़ी बढ़ानी। थी मैंने पूरे साल भर तक उस रोल के लिए तैयारी की थी। उस दौरान मेरे पास जो रोल आए मैं उनके लिए मना करता चला गया, क्योंकि मैं फिल्म के लिए खास लुक में था। मगर उस वक्त मुझ पर मुझ पर गाज गिर गई, जब एक साल तक लगे रहने के बाद मुझे बुलाकर कहा गया कि हम आपको ये रोल नहीं दे सकते। हम किसी नए कलाकार पर इतना बड़ा दांव नहीं खेल सकते। ये सुनकर मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। उन्होंने किसी दूसरे एक्टर को कास्ट किया। हालांकि रिलीज के बाद वो फिल्म चली नहीं, मगर मेरा तो एक साल बर्बाद हुआ, मुझे एक रुपया नहीं मिला।

क्या आपने अपने करियर में इनसाइडर और आउटसाइडर वाली फीलिंग महसूस की है?

ये तो फिल्म जगत की सचाई है। इनसाइडर को सब कुछ बना-बनाया मिलता है। उनके पास रिसोर्सेज होते हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री सपोर्ट करती है, मगर हम आउटसाइडर के लिए राह आसान नहीं होती। जब मेरी फिल्म मैरी कॉम आई थी, तो मेरी भूमिका हर अवॉर्ड में नॉमिनेटेड थी। यदि मैं इंडस्ट्री से होता, तो मुझे सम्मानित किया जाता और मैं किसी और मुकाम पर हो सकता था। मेरी जितनी भी फिल्में चाहे एनएच 10, मैरी कॉम, धोखा, कश्मीर फाइल्स हों या वेब सीरीज आश्रम, फैमिली मैन हों, मेरा काम जितना अच्छा रहा है, उसे देखते हुए तो इंडस्ट्री को मुझे सिरआंखों पर बैठाना चाहिए, मगर चूंकि मैं आउटसाइडर हूं, तो मुझे लगातार खुद को साबित करते रहना पड़ता है। मगर एक बात जरूर कहूंगा कि अंत में चलता तो आपका टैलेंट ही है। बड़े निर्देशक चाहते हैं कि वे मेरे साथ फिल्म बनाएं, तो वो भी यही कहते हैं कि आपको लेकर फिल्म बनाना है, मगर बजट ज्यादा बैठ रहा है, निर्माता को रिकवरी की चिंता है। मुझे इंडस्ट्री के सपोर्ट की जरूरत है, निर्माता-निर्देशकों के भरोसे की दरकार है। आज कंटेंट का दौर है। अब मेरी 8 करोड़ की फिल्म (कश्मीर फाइल्स) ने 400 करोड़ कमाए ही न?

आश्रम में आप एक पॉजिटिव किरदार में यहीं, जबकि द फैमिली मैन में नेगेटिव, आपके अंदर के राम और रावण क्या हैं?

मेरे अंदर का राम यही है कि मैं बहुत दयालु हूं। असल जिंदगी में बहुत इमोशनल भी हूं। सभी को एक समान इज्जत देता हूं। कोशिश करता हूं, किसी का दिल न दुखाऊं। जहां तक मेरे भीतर के रावण की बात है, तो वो है मेरा गुस्सा। मैं जाट हूं और हमारे बारे में कहा जाता है कि प्यार के नाम पर हम अपनी जान भी दे सकते हैं, मगर यदि हमारी इज्जत की बात आए, तो हम मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए मैंने मेडिटेशन शुरू किया है, जिसका मुझे काफी फायदा हो रहा है। कॉलेज के दिनों में इसी गुस्से के चलते कई बार मारपीट कर चुका हूं।

चेतावनी देगा फेसबुक!

प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक अब आपको विशेष फीचर्स देने जा रही है जिसके अंतर्गत यूजर्स को फेसबुक साइबर हमलों की चेतावनी देगी। फेसबुक के एक अधिकारी के ब्लॉग पोस्ट में कहा गया है कि आज से अगर हमें लगेगा कि आपके एकाउंट को किसी स्टेट स्पॉन्सर्ड साइबर अटैक यानि किसी देश की सरकार द्वारा प्रायोजित साइबर हमले से हानि हो सकती है तो हम आपको सूचित करेंगे। हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस तरह के हमले दूसरे हमलों से अधिक खतरनाक हैं। इससे प्रभावित हुए लोगों को हम जरूरी कार्रवाई करने व अपने ऑनलाइन एकाउंट्स को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले गूगल सिक्युरिटी ने भी यूजर्स को स्टेट स्पॉन्सर्ड हैकर्स से बचाव के लिए 2012 में नोटिफाई करना शुरू किया था।

बिना सिम के फोन कॉल!

स्मार्टफोन ऐप टेक्स्ट मी से अब कॉल करने के लिए सिम की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए बस आपको यह ऐप डाउनलोड करना है। उसके बाद आप किसी को भी अपना असली नंबर बताए बिना कॉल अथवा मैसेज कर सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि आप टेक्स्ट मी अकाउंट से अनेक फोन नंबरों को रख सकते हैं व उन्हें डिलीट भी कर सकते हैं। यह ऐप यूजर द्वारा डाउनलोड किए जाने वाले नंबर को उसके नाम से कॉल रिसीव करने वाले के फोन पर दिखाता है, जो कि यूरोप अथवा अमेरिका के कोड के साथ होता। अपने स्मार्टफोन में टेक्स्ट मी ऐप को डाउनलोड करते वक्त यदि आप एक मोबाइल नंबर भी चुनते हैं तो उसका कोई चार्ज नहीं है। कुछ विज्ञापन देखने की शर्त पर इस ऐप से आप कितने ही नंबरों पर कॉल अथवा एसएमएस कर सकते हैं।

आयुर्वेदिक डायट टिप्स से पाचन क्रिया को करें दुरुस्त

अच्छा स्वास्थ्य अच्छे पाचन तंत्र की देन होता है। हम जो भी खाते हैं, उसे सही रूप से शरीर में पहुंचाने का काम हमारा पाचन तंत्र ही करता है। पाचन तंत्र खाने को एनर्जी के रूप में बदल कर शरीर को पोषण और शक्ति प्रदान करता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। पाचन तंत्र में गड़बड़ी होने से हम जो भी खाते हैं, उसे सही से पचा नहीं पाते। इसके कारण शरीर को आवश्यक विटामिन और मिनरल नहीं मिल पाते और शरीर में हानिकारक तत्व बढ़ने लगते हैं और हमारा इम्यून सिस्टम भी धीरे-धीरे काम करना बंद कर देता है। लेकिन हम कई बार हम स्वाद-स्वाद में बहुत ज्यादा खा लेते हैं। उस समय तो हमें पता नहीं चलता, लेकिन बाद में पछताना पड़ता है। जब हमारा पेट इस खाने को हजम नहीं कर पाता तो हमें अपच, एसिडिटी, कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से गुजरना पड़ता है। पाचन तंत्र अपनी तय की गई समय सीमा के अनुसार चलती है और इस समय सीमा के कारण हमें दिन के अलग-अलग पहर में भूख लगती है। खाने के बाद हमारा पाचन तंत्र अपना काम करना आरंभ करता है तथा धीरे से उनका काम खत्म होता है यह आपकी क्रिया प्रारंभ करने के लिए मस्तिष्क को संकेत भेजता है। अगर इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो जाये तो इससे पाचन क्रिया में बाधा उत्पन्न होने लगती है। लेकिन घबराइए नहीं क्योंकि आयुर्वेदिक चिकित्सा से आप अपनी पाचनक्रिया को तीन दिन में फिर से दुरुस्त कर सकते हैं। आयुर्वेदिक डाइट टिप्स हमारे पाचन तंत्र को ठीक करके उसे पहले की तरह कार्यशील बना देती है।

पहला दिन: पाचन तंत्र को ठीक करने के लिए आप पहले दिन अपने दिन की शुरुआत नाश्ते से करें, और सुबह उठने के थोड़ी देर बाद कम से कम दो गिलास पानी पी लें। और उठने के 1 से 2 घंटे के बाद नाश्ता कर लें। फिर दोपहर में खाना खाएं। लेकिन ध्यान रखें कि खाने में चटपटी चीजों को शामिल न करें। और रात का खाना सोने से 2 घंटे पहले खा लेना चाहिए। और रात के खाने के लगभग आधे घंटे के बाद 2 गिलास गुनगुना पानी पीएं। पहले दिन आपका सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना सामान्य होना चाहिए और रात को जरूरत के हिसाब से खाएं, यानी रात का खाना ऐसी नहीं होना चाहिए।

दूसरा दिन: दूसरे दिन पाचनक्रिया को फिर से नियमित करने के लिए आपको इसकी गति को धीमा करना होगा। इसलिए दूसरे दिन आप खाना कम और लिक्विड चीजें ज्यादा लें। इसके लिए आप पूरे दिन में 3 से 4 गिलास जूस लें और हल्का खाना जैसे दाल और खिचड़ी ही लें। पानी और नींबू पानी का अधिक सेवन करें, क्योंकि यह पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करती है। इस दौरान अपना मन शांत रखें और साथ ही सुबह-शाम व्यायाम भी करें।

तीसरा दिन: आयुर्वेदिक डाइट टिप्स के अंतिम दिन में आपको अपनी पाचनक्रिया को सामान्य कार्यशीलता पर वापस भेजना होता है। इसलिए उठने के 1-2 घंटे के बाद नाश्ता कर लें क्योंकि उठने के बाद ज्यादा देर खाली पेट रहने से भी पाचन क्रिया को नुकसान होता है। और फिर दोपहर का खाना खाएं। दोपहर के खाने के बाद सीधे रात का खाना खाएं। नाश्ते से लेकर दोपहर के खाने तक न दोपहर के खाने से लेकर डिनर के बीच कुछ ना खाएं। डिनर को सोने से 2 घंटे पहले खा लें। और ध्यान रहें डिनर की मात्रा दोपहर के खाने से कम होनी चाहिए। ऐसा तीन दिन करने से आपकी पाचनक्रिया अपनी सामान्य गति पर पहुंच जाती है। यह क्रिया आपको स्वयं भूख का अहसास कराएगी।

बालों के लिए ग्लिसरीन के फायदे

नारी सौंदर्य पर रची गई शायरी हो या कविता कहानियां, बिना उसके बालों की खूबसूरती का व्याख्यान किए पूरी नहीं होती। और भला ऐसा हो भी क्यों नहीं, काले, घने व लहराते बाल महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद जो लगा देते हैं। मगर बालों को खूबसूरत बनाये रखना आसान काम नहीं। लेकिन, कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें अपना कर आप अपने बालों को खूबसूरत बना सकती हैं। एक ऐसी ही चीज है ग्लिसरीन। जी, वही ग्लिसरीन जो फिल्मी कलाकार आंखों से नकली आंसू निकालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ग्लिसरीन और बालग्लिसरीन एक प्राकृतिक, गाढ़ा तथा रंगहीन तरल है, जो नमी को आकर्षित करता है। यह अधिकांश सौंदर्य उत्पादों में प्रयोग किया जाता है। ग्लिसरीन का उपयोग स्वस्थ, चमकदार और बालों के स्वस्थ विकास के लिए किया जा सकता है। ग्लिसरीन का सिर पर ठीक प्रकार से प्रयोग करने से बालों को बढ़ने में मदद मिलती है। ग्लिसरीन को बालों की देखभाल के लिये कैसे इस्तेमाल किया जाए इसके लिये निम्न कुछ सुझावों पर गौर फरमाएं -

कर्ली (घुंघराले) बालों के लिए: सो- भले ही कर्ली बाल देखने में बड़े ही अच्छे लगते हों, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होता कि आप इनकी बिलकुल भी देखरेख न रखें। बल्कि घुंघराले बालों को तो देखभाल की ज्यादा जरूरत होती है। घुंघराले बाल काफी रूखे से नजर आते हैं, इसलिए अगर उन्हें थोड़ा नरम करना है तो उस पर ग्लिसरीन लगाएं।

बाल धोने के लिए ग्लिसरीन: बाल धोने में ग्लिसरीन का उपयोग करने के लिए, बराबर-बराबर भाग में पानी और ग्लिसरीन का मिश्रण बना कर रख लें। उतना ही मिश्रण बनाएं जितने से आपके बाल ठीक तरह से धुल जाएं। अधिक बना कर न रखें। आप सामान्य रूप से कंडीशनिंग और बाल धोने के बाद नम बालों पर इस मिश्रण को लगाएं। उंगलियों की सहायता से इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर लगाएं। कोशिश करें कि खुश्क जगहों पर यह मिश्रण ठीक प्रकार से लग जाए। अब पांच से छह मिनट तक रुकें और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो दें। बेहतर नतीजों के लिए इसे हफ्ते में तीन से चार बार इस्तेमाल करें।

डेंड्रफ दूर करने के लिए ग्लिसरीन: बालों की समस्या आजकल आम है, खुश्की से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। इसके लिए आप दो-तीन बातों को ध्यान में रखकर इस समस्या से निजात पा सकती हैं। हेयर ड्रायर का प्रयोग यथासंभव कम कर दें। बालों में डेंड्रफ होने से बाल बेजान हो जाते हैं, गिरने लगते हैं और सिर में खुजली भी रहती है।

बालों में लगातार डेंड्रफ बने रहने से परेशान लोग कई तरह के एंटी डेंड्रफ शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शैंपू, तेल आदि से डेंड्रफ तब तक ही दूर रहता है जब तक कि इन उत्पादों का उपयोग किया जाता है लेकिन इनका उपयोग बंद करने के बाद डेंड्रफ वापस आ जाता है। इससे निजात पाने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का एक तीन के अनुपात में मिश्रण बना कर एक शीशी में रख लें। नहाने के बाद रोज थोड़ा हथेली पर लेकर बालों की जड़ों में उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे डेंड्रफ चला जाता है।

ग्लिसरीन स्प्रे: यदि आप ग्लिसरीन से बालों को धोना नहीं चाहते हैं तो आप इसका मिश्रण बना कर स्प्रे की तरह भी उपयोग कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक चौथाई कप कैमोमाइल चाय, एक चम्मच के शहद, तीन चम्मच ग्लिसरीन, दो चम्मच वनस्पति तेल और रोज़मेरी (दौनी) तेल की छः बूंदों को अच्छे से मिलायें और एक स्प्रे बोतल में भर लें। (यदि आप सूरज की रोशनी में निकल रहे हैं और अपने बालों को अधिक चमकदार बनाना चाहती हैं तो इस मिश्रण में दो चम्मच नींबू का रस मिला लें)। हर बार उपयोग से पहले इसे अच्छे से हिला लें। इस ग्लिसरीन के स्प्रे को नहाने के बाद अपने बालों पर छिड़कें। यह स्प्रे दो हफ्तों तक चलता है।

ग्लीसरीन आफ्टरशेव: रूख स्किन वाले पुरुषों के लिए ग्लिसरीन आफ्टरशेव बहुत फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए आधा कप ग्लिसरीन लें उसमें दो चम्मच एलोवेरा जेल व दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसे एयरटाइट बोतल में भर लें। और शेव करने के बाद आफ्टर शेव की तरह उपयोग करें।

8 तरीकों से रखें अपनी आंखों को स्वस्थ व चमकदार

आंखें ईश्वर का दिया सबसे अनमोल तोहफा है, क्योंकि इसके द्वारा हम दुनिया की हर वह चीज देख सकते हैं, जो हम देखना चाहते हैं। इसलिए आंखों की देखभाल करना हमारा फर्ज है। कभी-कभी हम आंखों के प्रति जरा लापरवाही बरतते हैं, जो इस नाजुक अंग के लिए सही नहीं है।

आंखों की सफाई: नियमित तौर पर आंखों की सफाई करने से आप कई समस्याओं को उनसे दूर रख सकते हैं। इसके लिए दिन में दो से तीन बार आंखों को ठंडे पानी से धो लें, ताकि आंखों की गर्मी और हानिकारक तत्व बाहर निकल जाए।

धूप से बचाव : धूप में निकलने के पहले सन ग्लास लगाकर निकलें तो आंखों के लिए बेहतर रहेगा। तेज धूप में आंखों पर दबाव पड़ता है और आंखें कमजोर हो सकती हैं। यही कारण है कि कुछ लोगों की आंखें तेज धूप में निकलने न दर्द करने लगती हैं।

गंदगी से बचाव : धूप ही नहीं धूल और हवा में मौजूद हानिकारक कण आंखों में जलन, दर्द, चुभन पैदा करते हैं और आंखें लाल हो जाती हैं। कार्बन के आंखों में जाने से देखने की क्षमता भी कमजोर होती है, और धुंधला दिखाई देने लगता है।

भरपूर नींद लें: दिनभर आपके साथ-साथ आपकी आंखें भी जागती हैं। ऐसे में उन्हें भी आराम की जरूरत होती है। पर्याप्त मात्रा में नींद लेना, आंखों को आराम देता है। इसके अलावा यह आंखों के आसपास सूजन की समस्या को भी दूर करता है और काले घेरे भी।

टीवी, कंप्यूटर से दूरी : टीवी या कंप्यूटर स्क्रीन से हमेशा पर्याप्त दूरी बनाए रखना, आंखों के लिए बेहतर होगा। इसके अलावा समय-समय पर ऐसे काम से ब्रेक लेते रहें जो आपको दिनभर कंप्यूटर या लैपटॉप पर करना होता है। इनसे निकलने वाली किरणें आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। अधिक समय तक व अंधेरे में टीवी देखना आंखों पर सीधा प्रभाव डालता है।

मेडिसिन या कॉस्मेटिक : आंखों की थकान व परेशानियों के लिए डॉक्टर से परामर्श कर समय-समय पर आई ड्रॉप डालते रहें। काले घेरे व सूजन से बचने के लिए सोते समय आंखों के आसपास अंडर आई क्रीम या आई जेल लगाएं।

आई मसाज : आंखों को रिलैक्स करने का सबसे बेहतर तरीका है, आंखों के चारों ओर नारियल या बादाम के तेल से मसाज करें। ध्यान रहे कि यह मसाज हल्के हाथों से ही की जाए। इन दो तेलों के अलावा आप विटामिन ई युक्त तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।

मेकअप करें साफ : आंखों के आसपास का मेकअप साफ करना कभी न भूलें। यह त्वचा बहुत कोमल और संवेदनशील होती है। इसलिए इस पर केमिकल युक्त कॉस्मेटिक अधिक समय तक लगा न रहे। इसके अलावा रब्ब करते वक्त ध्यान रखें कि आंखों के आसपास गलती से भी रब्ब न करें।

बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित है, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं । पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़िया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है। पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ हैं। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं। यह बात तो हर कोई जानता है कि पपीता हमारी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है लेकिन यह बात शायद कोई-कोई ही शख्स जानता है कि पपीते के बीज भी हमारे लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़िया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है। पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ हैं। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं। इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आप निश्चित रूप से पपीते के बीज को संभाल कर रखेंगे।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार: पपीते के बीज सूजन रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूजन रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन: पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

कैंसर : इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं ट्यूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, ल्यूकेमिया,पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी : गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ है।

गठिया रोग में लाभदायक: पपीते के बीज के प्रदाहशामक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

कॅरियर के लिए अपार संभावनाएं मौजूद

लॉजिस्टिक में छिपे भविष्य के लिए नए अवसर

आज की तारीख में लॉजिस्टिक्स दुनिया भर के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कॅरियर विकल्पों में से एक है। भारत में तो यह विशेष रूप से तीव्र विकास कर रहा है। यदि विभिन्न संसाधनों की आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्थित ढंग से नहीं होती तो दुनियाभर का सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा अस्त-व्यस्त हो सकता है। हर कंपनी लॉजिस्टिक्स का प्रयोग करती है फिर चाहे वहां एक फुल-टाइम लॉजिस्टिक्स मैनेजर की नियुक्ति न भी की गई हो। भारत में लॉजिस्टिक इंडस्ट्री का मूल्य 130 अरब से अधिक आंका गया है। ऐसे में अगर आप में देश-विदेश से जुड़े ग्राहकों से व्यवहार करने का कौशल है, अगर आपका सम्प्रेषण कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) में अच्छे हैं और आप मेहनत में यकीन करते हैं तो लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक बेहतरीन कॅरियर आपकी ही प्रतीक्षा कर रहा है।

अपॉर्चुनिटीज...

इन दिनों इस फील्ड में अनगिनत संभावनाएं मौजूद हैं। इस तरह रोजगार के लिए युवाओं के पास कई प्रकार के विकल्प खुले रहते हैं। खास बात है कि ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आई तेजी ने लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ा दी हैं। ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियां प्रोडक्ट बुकिंग तो ऑनलाइन करती हैं, लेकिन उत्पादों की सही पैकिंग से लेकर ग्राहकों तक उसकी सुरक्षित आपूर्ति की सारी जिम्मेदारी लॉजिस्टिक्स का काम करने वालों के कंधों पर ही होती है।

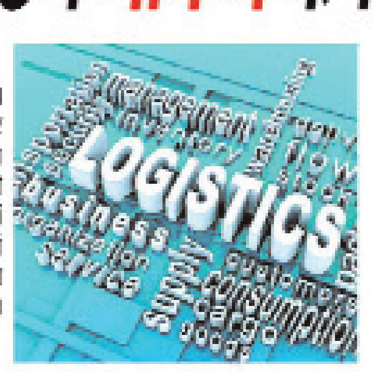

वर्किंग एरिया...

एक लॉजिस्टिक्स मैनेजर का काम किसी भी कारोबार या संगठन के कामकाज के लिए आवश्यक सामग्री व कच्चे माल की आपूर्ति के साथ शुरू होता है। विभिन्न सामग्री की आपूर्ति तथा निर्मित होने वाले उत्पादों या सेवाओं को उनकी मांग के अनुसार उनकी मंजिलों तक पहुंचाने यानि उपयुक्त वितरण जैसे कार्यों में तालमेल बैठाना उनका ही काम होता है। उदाहरण के लिए जर्मन कारें, यूरोपीय स्ट्रॉबेरी, अमेरिकन चॉकलेट, दक्षिण अफ्रीकी शराब, फिर दुनिया भर से फैशनेबल चीजें जैसी देश-विदेश की हर चीज आज अपने देश के स्टोर्स में भी सरलता से मिल जाती है। इतना ही नहीं, ये सभी चीजें दुनियाभर के दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से मिल जाती हैं तो यह सब लॉजिस्टिक और सप्लाई चेन मैनेजमेंट से ही संभव हो पाता है।

क्वालिफिकेशन...

इस क्षेत्र के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट दोनों प्रकार के कोर्स मौजूद हैं। अंडरग्रेजुएट कोर्स 3 वर्षीय और पीजी कोर्स 4 महीने से 2 वर्ष तक होता है। 10वीं कक्षा के बाद भी यह कोर्स किया जा सकता है। ज्यादातर कोर्स दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से किए जाते हैं। लॉजिस्टिक मैनेजमेंट में एमबीए कोर्स 2 वर्ष का फुलटाइम कोर्स है।

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

रेसिपी

मनचाऊ सूप

सामग्री

वेजिटेबल स्टॉक के लिए: 1/2 कप कटी हुई पत्तागोभी, 1/2 कप कटा हुआ गाजर, 1/4 कप कटा हुआ अजमोद, 2 टेबल स्पून कटी हुई हरी प्याज, 3 से 4 फूलगोभी के फूल, 4 कप वेजिटेबल स्टॉक, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई पत्तागोभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई शिमला मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए गाजर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए टमाटर, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून कॉर्नफ्लोर , 1/2 कप पानी के घोला हुआ, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक कढ़ाई में 6 कप पानी उबालें, सभी सब्जीयां डालकर मध्यम आंच पर 15-20 मिनट के लिए उबाल लें। सब्जीयों को बर्तन के नीचे जमने दें और स्टॉक निथार लें। सब्जीयां निकालकर एक तरफ रख दें। एक वॉक या कढ़ाई में तेज आंच पर तेल गरम करें और धुंआ निकलने दें। लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालकर तेज आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। पत्तागोभी, फूलगोभी, शिमला मिर्च, गाजर डालकर तेज आंच पर 1-2 मिनट तक भुन लें। टमाटर, पुदिना, हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें और तेज आँच पर 1 मिनट तक भुन लें। वेजिटेबल स्टॉक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, तेज आंच पर 2-3 मिनट तक पका लें। नमक, सोया सॉस डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, तेज आंच पर और 2 मिनट तक पका लें। तैयार कॉर्नफ्लोर-पानी का मिश्रण डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, तेज आँच पर 2-3 मिनट तक पका लें। काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तले हुए नूडल्स् से सजाकर तुरंत परोसें।

मूंग दाल एंड पनीर पराठा

सामग्री

1/2 कप रागी का आटा, 1/2 कप हरी मूंग दाल , भिगोकर पकाई हुई, 1/4 कप चूरा किया हुआ पनीर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, एक चुटकी हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, रागी का आटा , बेलने के लिए, तेल, पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरूरत हो उतने पानी का प्रयोग कर, हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे रागी के आटे का प्रयोग कर, 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक पराठे को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनों तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें।

रेगर समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। रेगर समाज के 11 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। रेगर समाज छात्रावास निर्माण कार्य करवाने पर जोर दिया गया।सम्मेलन कमेटी अध्यक्ष कैलाश चन्द्र सुवासिया की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय द्वारा समाज में शिक्षा पर जोर दिया गया।विधायक गोपाल खंडेलवाल प्रतिनिधि मुकेश खंडेलवाल द्वारा छात्रावास निर्माण के लिए 5 लाख की घोषणा की गई।सामूहिक विवाह सम्मेलन कमेटी द्वारा दहेज में सोने का मंगलसूत्र व चांदी के पायजेब दिए गए।सम्मेलन कमेटी अध्यक्ष कैलाश चंद्र सुवासिया व कार्य कारणी सदस्य छात्रावास अध्यक्ष प्रकाश चंद्र, तहसील अध्यक्ष रेगर महासभा कस्तूरचंद इंदौरिया, कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र शेर, सुगन लाल इंदौरिया, कैलाश चंद्र इंदौरिया, डॉ. दुर्गा लाल वर्मा, सोहनलाल शेर , नाथू लाल इंदौरिया, सुगन लाल शेर, सत्यनारायण इंदौरिया, घीसालाल इंदौरिया समेत समाजजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। संचालन भंवरलाल इंदौरिया व डॉ. कपिल इंदौरिया द्वारा किया गया।

वक्फ सुधार जन जागरण अभियान नावां विधान सभा सम्मेलन भाजपा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित हुआ

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) वक्फ सुधार जन जागरण अभियान नावां विधान सभा सम्मेलन भाजपा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित हुआ जिसमें मुख्य वक्ता सूरतगढ़ के पूर्व विधायक सुभाष पूनिया थे।व अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष सुनीता रांद्ड की। इस अवसर पर जिला महामंत्री गोविंद कुमावत मंत्री पवन टाक जन जागरण अभियान के संयोजक पार्षद अयूब शेख,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, मारोठ मंडल अध्यक्ष चुन्नीलाल माली,जिला संयोजक तस्लीम आरिफ रहे।मुख्य वक्ता सूरजगढ़ पूर्व विधायक सुभाष पूनिया ने वक्फ बिल पर जानकारी देते हुए बताया कि बिल सच्चर कमेटी द्वारा जारी सिफारिशो के आधार पर ही संशोधन करके लागू किया जाएगा। वक्फ कोई धार्मिक संस्था नहीं है बल्कि वक्फ की गई संपत्तियो की देखरेख करने वाली संस्था है । वक्फ बिल संशोधन को वक्फ बोर्ड द्वारा अधिग्रहित की गई संपत्तियों से अर्जित लाभ का वास्तविक उपयोग गरीब मुसलमान के विकास और फायदे के लिए कैसे किया जा सकता है यही बिल में संशोधन किया गया है। 2006 की सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक वक्फ की 80% संपत्तियां धार्मिक नेताओं, राजनेताओं के अतिक्रमण का शिकार हो चुकी हैं। कर्नाटक में 22 हजार एकड़ वक्फ भूमि 2 लाख करोड़ में बेच दी गई। पुणे में एक किसान परिवार को जमीन को बिना सूचना के वक्फ घोषित कर दिया गया जिसके लिए किसान को कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए भी पैसे नहीं थे। लखनऊ में वक्फ बोर्ड ने पुनर्विकास के नाम पर मुस्लिम दुकानदारों से दुकानें बिना मुआवजे के छीन ली। इसे सैकड़ों उदाहरण है जिसमें आम मुसलमान की संपत्तियां भी वक्फ के नाम पर हथिया ली गई और उन संपत्तियों पर धार्मिक नेताओं और राजनेताओं ने कब्जा कर लिया और बेच दिया। वक्फ की संपत्तियों को नाम मात्र के किराए पर भ्रष्ट धार्मिक और राजनेताओं ने हथिया लिया हैं। 2018 में केंद्री वक्फ बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वक्फ बोर्ड में वित्तीय पारदर्शिता नहीं हैं

Gram Panchayat Dhahar ka bas Panchayat Samiti Nechhwa (Sikar)

S.No. 08 Date 06/05/2025

NOTICE INVITING BID

Bids for Material Supply in GP for FY 2025-26 in Gram Panchayat Dhahar ka bas are invited from interested bidders Upto date 15.05.2025Time 06:00 P.M. Other particulars of the BID may be visited on the Procurement Portal (http://eproc.rajasthan.gov.in) and Procurement Portal (https://sppp.raj.nic.in) of the State UBN No. PNS2526 GLRC 00033 EPROC Tender ID 2025 PRD 465787 -1

प्रशासक
ग्राम पंचायत ढहर का बास

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ढहर का बास

कार्यालय ग्राम पंचायत रायपुर
पं.स. पाटन (सीकर)

दिनांक- 06.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00024

ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. रायपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत दलपतपुरा
पं.स. पाटन (सीकर)

क्रमांक- GPP/C Tender 25-26/684 दिनांक- 06.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00023

ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. दलपतपुरा

युद्धकालीन नागरिक तैयारी को लेकर गाइडलाइन जारी

बिजौलियां(निसं.)।। युद्धकालीन नागरिक तैयारी को लेकर पुलिस विभाग बिजौलियां द्वारा नागरिक सुरक्षा और जागरूकता गाइडलाइन जारी करते हुए बताया कि हवाई हमला या सायरन बजते ही शांत रहें और तुरंत आश्रय लें।अपने शहर/गांव में चिन्हित 'सुरक्षित आश्रय स्थल' की पहले से जानकारी जुटा लें।घर में कम से कम 7 दिन का राशन, पानी, दवाइयाँ और मास्क रखें।सीटी, टॉर्च, पावर बैंक, प्राथमिक चिकित्सा किट साथ रखें। बिजली का मेन स्विच, गैस सिलेंडर बंद करना न भूलें।परिवार के सभी सदस्यों के ब्लड ग्रुप, आधार कॉपी और फोटो तैयार रखे। बच्चों के लिए पहचान पत्र समेत सुरक्षा बैग तैयार करें जिसमें पानी, बिस्किट व डायरी हो।साप्ताहिक सुरक्षा बैठकें और मॉक ड्रिल के साथ ही महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाए। व्हाट्सएप/टेलीग्राम अलर्ट ग्रुप बनाएं व गलत सूचना से बचें।ग्रुप में डॉक्टर, सेना अधिकारी, पुलिस आदि स्थानीय विशेषज्ञों को जोड़ें।अगर सायरन बजता हैं या धमाका होता हैं तो तुरंत जमीन पर लेट जाएं। किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक को न छुएं और पुलिस को सूचित करें।बाहर निकलने से पहले आधिकारिक अनुमति या रेडियो अलर्ट सुनें।जगह छोड़ते समय सिर्फ जरूरी सामान लेकर निकलें।'

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR.

No. NIT/2025-26/ 4020-32 निविदा सूचना / 2025-26 Date- 06.05.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए केन्द्र / राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों द्वारा पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द / ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रु0)	निविदा सूचना संख्या
Maintenance of Toll Plaza at Sarwar and Gulgaon on Nasirabad- Kekri - Deoli Road. UBN: RRC2526WSOB00093	06.74 Lakh	ई- 053/ 25-26
Supply and Fixing of Computer & Printer at Head office RSRDC Ltd., Jaipur. UBN: RRC2526SSOB00095	01.13 Lakh	056/ 25-26
SITC of Split Type Air Conditioner at RSRDC Toll Plazas on Various Roads. (02 No. works) UBN- (1)RRC2526WSOB00096 (2) RRC2526WSOB00097	09.80 Lakh	059/ 25-26

निविदा प्रपत्र, शुल्क, धरोहर राशि, निविदा बेचने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाइट http://roads.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.nic.in पर उपलब्ध है। ई-निविदा हेतु संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड -सादुलपुर (राजस्थान) 331023

cephedsadulpur@gmail.com ce.phed.sdlp.chu@rajasthan.gov.in

क्रमांक 185-196 दिनांक 28.04.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS

Online tenders are hereby invited on behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan for the following works from eligible enlisted Contractor/ Firm as per Rules. Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIT exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, and http://eproc.rajasthan.gov.in. Online Tenders are to be submitted on web site. tender fee shall be submitted through e-GRAS only in respective budget head and bid security as per Annexure. Online Tendar website submitted Last Date & time For submission Up to 08-05-2025 (18.00 hrs)

NIT No.	UBN No.
06/2025-26	PHE2526WSRC01802
07/2025-26	PHE2526WSRC01803

SAVE WATER-SAVE LIFE

Executive Engineer,
PHED Division Sadulpur
Contact: 82791-01286

कार्यालय ग्राम पंचायत रामसिंहपुरा
पं.स. पाटन (सीकर)

दिनांक- 06.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00026

ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. रामसिंहपुरा

कार्यालय ग्राम पंचायत जीलो
पं.स. पाटन (सीकर)

दिनांक- 06.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00025

ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. जीलो

धाकड़ समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 59 जोड़े बने हमसफ़र

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। ऊपरमाल आदर्श धाकड़ समाज के 26 वें सामूहिक विवाह सम्मलेन में 59 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।आदर्श धाकड़ विद्यापीठ संस्थान परिसर में आयोजित हुए विवाह सम्मेलन में सोमवार सुबह सम्मेलन के संरक्षक व पूर्व जिला प्रमुख इंजी.कन्हैया लाल धाकड़ और अखिल भारतीय धाकड़ महासभा महिला प्रदेशाध्यक्ष व विवेक सुषमा धाकड़ स्मृति चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष दीपशिखा धाकड़ द्वारा 7.15 बजे भूमि पूजन व ध्वजारोहण के साथ समारोह की शुरुआत हुई।इसके बाद गणपति स्थापना, मायरा,प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह,प्रीतिभोज,बासण, तोरण,आशीर्वाद समारोह और पाणिग्रहण संस्कार आयोजित हुए। अखिल भारतीय धाकड़ महासभा के प्रदेशाध्यक्ष रमन धाकड़ के साथ ही कोटा, भीलवाड़ा, उदयपुर, नीमच, चित्तौड़गढ़, बूंदी जयपुर क्षेत्रों से आए समाज के गणमान्य लोगों के साथ ही ऊपरमाल क्षेत्र के समाजजन भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

राजस्थान सरकार

कार्यालय उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग जिला चूरू

आयकर कार्यालय के पास, शेखावत कॉलोनी सड़क, चूरू (राजस्थान)

E-MAIL: daochuru@gmail.com dao.chu.ayu@rajasthan.gov.in Teliphone No. 01562-250146

क्रमांक- स्टोर/निविदा / औषधी सप्लाई / 2025-26 /2081-84 दिनांक- 05.05.2025
हस्ताक्षरित तिथि

सीमित निविदा संख्या 01 / 2025

निदेशालय के पत्रांक 837 दिनांक 22.04.2025 के क्रम में राज्य वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2024-25 के तहत बीकानेर जिले जिले के 125 औषधालयों पर औषधियां पहुँचाने के लिए वाहन किराये पर लेने हेतु दिनांक 13.05.2025 को प्रातः 10.30 बजे तक मुहरबन्द लिफाफों में सीमित निविदा आमंत्रित की जाती है

क्र.सं.	विवरण	अनुमानित मूल्य	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक व समय	निविदा खोले जाने का दिनांक व समय
1.	जिले के 125 औषधालयों पर औषधियां (लगभग 3039 कार्टून मध्यम साईज) पहुँचाने के लिए वाहन किराये पर लेने हेतु	रूपये 103950/- लगभग	13.05.2025 को प्रातः 10.30 बजे तक	13.05.2025 दोपहर 01.00 बजे

सामान्य शर्ते-

1. संलग्न सिमित निविदा प्रपत्र में ही सिमित निविदा स्वीकार किये जाऐंगे।

2. निविदादाता को संलग्न शर्तो को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए तथा निविदा प्रेषित करते समय इसकी पूर्णरूपेण पालना करनी चाहिए। इन शर्तों के प्रत्येक पृष्ठ को हस्ताक्षरित किया जाना आवश्यक है अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. निविदा प्रपत्र सील बंद लिफाफे में, जिसके ऊपर "उप निदेशक आयुर्वेद विभाग चूरू औषधी की डिलीवरी हेतु सिमित निविदा " अंकित हो, उप निदेशक आयुर्वेद विभाग चूरू के कार्यालय में दिनांक 13.05.2025 को प्रातः 10.30 बजे तक पहुँच जानी चाहिए।

(डॉ. सत्यवीर सिंह)
उप निदेशक
आयुर्वेद विभाग जिला चूरू

कार्यालय ग्राम पंचायत घासीपुरा
पं.स. पाटन (सीकर)

दिनांक- 06.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00027

ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा.पं. घासीपुरा

बंदूक दिखाकर व्यापारी से 14 लाख लूटे: स्कूटी-फोन छीन कर भागे बदमाश

जयपुर टाइम्स

मण्डवा(निस)। क्षेत्र के बिसाऊ थाना क्षेत्र में बदमाशों ने दिनदहाड़े एक व्यापारी से 14 लाख रुपए लूट लिए। महनसर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो लुटेरों ने बंदूक की नोक पर रामगढ़ निवासी सरसों और अनाज के व्यापारी मोहम्मद वासिद को निशाना बनाया। लुटेरे व्यापारी से 14 लाख रुपए नकद, उनकी स्कूटी और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। हालांकि पुलिस स्कूटी को बरामद कर लिया है, स्कूटी डिग्गी में रखे 14 लाख रुपए गायब हैं।

मंडी से लौट रहे व्यापारी को बनाया निशाना

पीड़ित व्यापारी मोहम्मद वासिद ने बताया कि वे सुबह अपने गांव से बिसाऊ आए थे। वहां अपनी स्कूटी खड़ी करने के बाद वे रोडवेज बस से झुंझुनूं गए थे। झुंझुनूं मंडी से 15 लाख रुपए नकद लेकर जब वे वापस बिसाऊ लौटे, तो उन्होंने ई-मित्र केंद्र पर 1 लाख रुपए जमा करा दिए। शेष 14 लाख रुपए लेकर वे अपनी स्कूटी से वापस गांव की ओर रवाना हुए।

बंदूक दिखाकर लूटा

महनसर गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचने पर दो बाइक सवार युवकों ने उनकी स्कूटी को ओवरटेक कर रोक लिया। वासिद के अनुसार, उनमें से एक युवक ने तुरंत बंदूक निकालकर उन्हें धमकाया और उनका मोबाइल फोन छीन लिया। इसके बाद लुटेरों ने स्कूटी की डिक्की में रखे 14 लाख रुपए भी निकाल लिए और मौके से फरार हो गए।

मोबाइल और स्कूटी बरामद

घटना की सूचना मिलते ही बिसाऊ पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने पीड़ित के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया, जिससे पता चला कि आरोपी कुल्हाड़ियों की ढाणी की ओर भागे हैं। पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इसी क्षेत्र से पीड़ित का मोबाइल फोन और स्कूटी बरामद कर ली, हालांकि लूटी गई नकदी अभी तक बरामद नहीं हो सकी है।

डिप्टी एसपी ने टीमें गठित की

घटना की गंभीरता को देखते हुए झुंझुनूं ग्रामीण के डिप्टी एसपी हरी सिंह तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि पुलिस की विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने जल्द ही आरोपियों को पकड़ लेने का आश्वासन दिया है। डिप्टी एसपी हरिसिंह ने बताया कि फिलहाल पुलिस गहन छानबीन में जुटी है और लूटपाट की इस सनसनीखेज घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

माउंट आबू मीडिया कांफ्रेंस में पत्रकारों का सम्मान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से आयोजित पांच दिवसीय नेशनल मीडिया कांफ्रेंस का समापन सोमवार को हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि जयपुर सांसद मंजू शर्मा रहीं। कार्यक्रम में राकेश कुमार सोनी, पत्रकार गणेश सैनी बड़ागांव, गोपी किशन सोनी और दिनेश कुमार सांखला को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में सिरोही प्रभारी और उद्योग व वाणिज्य विभाग के युवा मामले के राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई, केंद्रीय कृषि व राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और सीविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा मौजूद रहे। इन सभी जनप्रतिनिधियों ने पत्रकारों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

जिला कलक्टर ने की रास्ता खोलो अभियान की प्रगति की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियों कांफ्रेंसिंग के जरिए जिले के सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलक्टर ने जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे महत्वपूर्ण अभियान 'रास्ता खोलो अभियान' की प्रगति जांची। जिला कलक्टर मीणा ने जिले में अनुपयोगी भवनों की भी जानकारी लेते हुए इनके जीर्णोद्वार व सदुपयोग की बात कही। कलक्टर मीणा ने स्थानीय निकाय और पंचायत परिसीमन के भी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में एसपी शरद चौधरी, एडीएम अजय कुमार आर्य, एसडीएम हवाई सिंह यादव, तहसीलदार महेंद्र मूंड समेत विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

भोजासर के चौक में चबूतरा व सांड की मूर्ति का निर्माण

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। गांव भोजासर के सार्वजनिक चौक में विकास मील की स्मृति में उनके परिजनों ने चबूतरा व सांड की मूर्ति का निर्माण करवाया है। नवर्निमित सांड की प्रतिमा अनावरण समारोह में स्वर्गीय विकास मील के पिता ओमप्रकाश, माता विमला देवी, पत्नी रिषु पुत्री आरवी व तनवी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पंडित सीताराम शर्मा ने सांड को पूजा अर्चना करवाई। समारोह में रामनिवास मील, सुभाष महला, हरचंद गढ़वाल, गुलझारी, बसंत लाल शर्मा, जगदीश, शीशपाल नाई, सुभाष मास्टर, सतीश खारिया सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

महिला-प्रोफेसर से करोड़ों ठगने वाले साइबर अपराधी पकड़े

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राजस्थान में बिट्स पिलानी की महिला प्रोफेसर को 3 महीने तक डिजिटल अरेस्ट रख कर 7 करोड़ 67 लाख ठगने वाली गैंग के 2 और आरोपियों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। अब इस मामले में कुछ 6 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। सीबीआई ने यह केस राजस्थान सरकार के अनुरोध पर अपने हाथ में लिया था। पकड़े गए 2 आरोपियों के पास सीबीआई को कई अत्याधुनिक गैजेट्स मिले हैं। इसी के जरिए ये लोग पूरे नेक्सस को चला रहे थे। सीबीआई ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। इसके बाद दोनों को 8 दिन की रिमांड पर लिया गया है। ऑपरेशन चक्र-5 के तहत कार्रवाई करते हुए CBI ने मुंबई में कई ठिकानों पर छापेमारी की और इस मामले में संलिप्त दो और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीजाता डे ने झुंझुनूं के तत्कालीन SP देवेंद्र विश्नोई से मामले की शिकायत की थी। बता दें कि 29 अक्टूबर 2023 को आया पहला फोन बिट्स पिलानी (झुंझुनूं) की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीजाता डे (57) ने साइबर सेल को रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि 29 अक्टूबर 2023 को सुबह 8.39 पर मेरे पास एक व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने कहा कि वह दूरसंचार विभाग से बोल रहा है। इस नंबर पर साइबर क्राइम से जुड़ी हुई शिकायत प्राप्त हुई है। आपका फोन नंबर एक घंटे में बंद हो जाएगा। आपके आधार नंबर पर दूसरा मोबाइल नंबर 677 रजिस्टर्ड है। आपके नंबर से अवैधानिक विज्ञापन व उत्पीड़न के मैसेज भेजे गए हैं। मुंबई पुलिस आपके खिलाफ कार्रवाई करेगी। मुंबई पुलिस से फोन आएगा। इसके तुरंत बाद मुझे एक नए नंबर से चार बार फोन आया। SKYPE डाउनलोड करवाया, ऑनलाइन मीटिंग की श्रीजाता डे ने बताया था कि इसके बाद एक और फोन आया। फोन करने वाला खुद को मुंबई पुलिस का सब इंस्पेक्टर संदीप राव बता रहा था। उसने कहा- आपके खिलाफ क्राइम ब्रांच मुंबई में शिकायत मिली है। SKYPE पर जुड़कर ऑनलाइन मीटिंग करनी होगी।

विद्युत संबधित समस्याओं के लिए जन-सुनवाई आज

जयपुर टाइम्स

झुन्झुनूं(निस)। जिले के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत संबधित समस्याओं व शिकायतों (विद्युत सप्लाई, विद्युत कनेक्शन, विद्युत मीटर, विद्युत बिल में त्रुटि सुधार, विद्युत ट्रांसफार्मर व लाईन, गलत वीसीआर से सम्बन्धी) के समाधान के लिए जन-सुनवाई का आयोजन किया जाएगा। झुन्झुनूं वृत के अधीक्षण अभियन्ता एम.के.टीबड़ा ने बताया कि 7 मई को सुबह 11 बजे से कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता (वि.) अविविनिलि, झुन्झुनूं के परिसर में जन-सुनवाई का आयोजन किया जाएगा।

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली - बहरोड),

क्रमाक- न.प.कोट./ भूमि/2025 / 379 दिनांक- 6/5/25

प्रारूप- 10
(नियम 6 (7)
लोक सूचना

आवेदनकर्ता श्री लीलाराम पुत्र श्री बहादुर जाति गुर्जर निवासी सुन्दरपुरा तहसील कोटपूतली जिला कोटपूतली - बहरोड़ इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषित प्रयोजन (आवासीय) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्र	प्रयोजनार्थ
कोटपूतली - बहरोड, कोटपूतली	पूतली (कोटपूतली)	1249/8, 1251/8	0.3513 है0	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 1963 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन कर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा ।

उपर्युक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर मुहर के अधीन को जारी की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपरिषद्, कोटपूतली

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER, (PROJECT) PHED REGION CHURU (RAJ.)

Email: ace.chu.phed@rajasthan.gov.in

S.No.: 161-196 Dated: 25.04.2025

Notice Inviting Bid No 01/2025-26

Bids for Work of Augmentation cum Reorganization of Aapni Yojana Phase-I (Dhannasar Feeder) Water Supply Project including 10 Years O&M District Churu. are invited from interested bidders upto 18.00 hrs 26.05.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.ip and departmental website https://phed.raj.nic.in. (The approximate value of the procurement is Rs. 237.87 Crore.
UBN-PHE 2526 WLOB01689

(Rammurt
Additional Chief Engineer (Project),
PHED, Churu

DIPR/C/5865/2025

कार्यालय ग्राम पंचायत पारेवडा
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांक: 18-23 दिनांक- 5.5.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 03 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पारेवडा के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी.एस.टी.पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	घर -घर कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण एवं नाली सड़क व सामूदायिक स्वच्छता परिसर ग्राम पारेवडा 05 माह	887560	17752	200	दिनांक 6.5.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 9.5.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 9.5.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 9.5.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत पारेवडा कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत पारेवडा के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत पारेवडा का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत पारेवडा कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0185 UBN is: ZCR2526SSOB00331

प्रशासक
ग्राम पंचायत पारेवडा
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पारेवडा
पं. स. बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत सडू छोटी
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांक: 01-07 दिनांक- 28.4.2025

ई निविदा सूचना संख्या 01 (वित्तीय वर्ष 2025 - 26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सडू छोटी के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गावों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी.एस.टी.पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम पंचायत सडू छोटी के समस्त गावों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	915662	18314	500	दिनांक 28.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 07.5.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 07.5.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 07.5.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत सडू छोटी कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत सडू छोटी के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत सडू छोटी का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत सडू छोटी कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code UBN is:

प्रशासक
ग्राम पंचायत सडू छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सडू छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
07 मई, 2025

रजनीश कौशिक श्रीलंका में सम्मानित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में सुजानगढ़ निवासी डॉ. रजनीश कौशिक को इंटरनशेनल एज्यूकेशन एक्सिलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। नगर की राजकीय जाजोदिया स्कूल के पीछे रहने वाले एजी मिशन इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य डॉ. रजनीश कौशिक को उनके सतत शैक्षिक नवाचारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। बैंगलूरू के एनुअलप ग्रुप की ओर से विश्व भर की शिक्षण संस्थाओं में बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके भविष्य की नींव मजबूत करने वाली शिक्षा देने के नजरिए से कार्यरत शिक्षकों को इंटरनशेनल एज्युकेशन एक्सिलेंस अवार्ड के लिए चयन किया जाता है। इस वर्ष यह सम्मान एशिया के 10 देशों के 34 शिक्षाविदों को दिया गया है। श्रीलंका के भंडारानाइके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफ्रेंस हॉल कोलंबों में आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में श्रीलंका की सार्क प्रतिनिधि डॉ बीना गांधी व श्रीलंका के प्रसिद्ध संत नौयाने अरियाधाम्मा महाथेरा ने डॉ. रजनीश कौशिक को यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान संत महाथेरा ने दूनिया को शांति व वास्तविक मानव धर्म की और ले जाने में शिक्षा का सबसे बड़ा योगदान बताया।

स्वामी को मिलेगा कर्मश्री अवॉर्ड

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत स्वामी को 10 मई को जयपुर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से कार्यक्रम अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस महोत्सव समापन पर जयपुर के रत्न बाग सांस्कृतिक सभागार जयपुर में आयोजित होने वाले कार्यकम में सरदारशहर के प्रशांत स्वामी को कर्म श्रीअवॉर्ड 2025 से नवाजा जाएगा। जिस में मुख्य अतिथि राजेंद्र महतो पूर्व उप प्रधानमंत्री नेपाल, गोपाल शर्मा विधायक सिविल लाइन जयपुर सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहेंगे। स्वामी की ओर से सामाजिक स्तर पर सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी निभाने के लिए स्वामी को अवॉर्ड देकर उनका सम्मान किया जाएगा। स्वामी को अवार्ड से सम्मानित होने पर बधाइयां देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिल रहा विशेष प्रशिक्षण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। चूरु जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। सरदारशहर परियोजना के भानीपुरा और शिमला सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन चुरु की महिला व बाल विकास विभाग ने रॉकेट लर्निंग संस्था के साथ मिलकर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। रॉकेट लर्निंग एक गैर-सरकारी संस्था है। यह संस्था प्रारंभिक और पूर्व प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है। संस्था डिजिटल और डायरेक्ट हस्तक्षेप के माध्यम से माता-पिता और आंगनवाड़ी को जोड़ने का काम करती है। बढ़ता बचपन कार्यक्रम के तहत शुरू किए गए इस प्रशिक्षण की अवधि 90 मिनट है। इसमें कार्यक्रम का अवलोकन, मूल्यांकन और आइस ब्रेकर गतिविधियां शामिल हैं। बच्चों के लिए उत्साहवर्धक और सुरक्षित वातावरण बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। कक्षा का आयोजन, दैनिक दिनचर्या और शिक्षण सामग्री पर भी प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण में सरदारशहर सीडीपीओ सरोज नायक ने सभी गतिविधियों पर चर्चा की। इस दौरान वरिष्ठ सहायक विजय कुमार सैन, महिला पर्यवेक्षक माया शर्मा और दिनेश चौधरी का सहयोग रहा। रॉकेट लर्निंग के जिला कॉर्डिनेटर इमरान खान सुगमकर्ता के रूप में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

60 एचपी की मोटर लगवाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। वार्ड न. 47 के भाजपा पार्षद रेंवतमल पंवार ने नगरपरिषद आयुक्त मघराज डूडी को एक ज्ञापन सौंपकर स्थानीय की वाल्मीकि बस्ती में पम्प हाउस पर 60 एचपी की मोटर लगवाने जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि वाल्मीकि बस्ती में पम्प हाउस का संचालन किया जा रहा है और आस-पास की सम्पूर्ण बस्ती का पानी इसी तलाई में आता है। पास में स्कूल भी है और बारिश के दिनों में विद्यार्थी स्कूल तक नहीं जा पाते। इसलिए यहां से पानी की निकासी के लिए 12 ईंच की डबल पाईप लाईन डलवाई जाए और 60 एचपी की मोटर लगवाई जाए ताकि हाथों हाथ पानी की निकासी हो।

जीजा ने ससुर के विवाद में साले की हत्या की, परिवार ने आरोपी के घर बुलडोजर चलाने की मांग की

जयपुर टाइम्स

कोटा(नि.सं.)। कोटा में सोमवार को जीजा ने अपने ही साले की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। महावीर नगर सेकेंड इलाके में रहकर ??? की तैयारी कर रहा था। कम्प्यूटर सीखने के लिए रिश्तेदार के साइबर कैफे पर जाता था। आरोपी जीजा ने साइबर कैफे में घुसकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी जीजा मृतक के चाचा का दामाद है। उसके ससुर का अपने बड़े भाई (मृतक के पिता) से खेत में रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते उसने अपने साले का मर्डर कर दिया। हत्या के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। वहीं एमबीएस हॉस्पिटल में शव का मॉर्च्युरी में करवाया गया। परिवार ने आर्थिक मदद और आरोपी जीजा के मकान पर बुलडोजर चलाने

की मांग की है। परिजन दोपहर तक अपनी मांग पर अड़े रहे। लाडपुरा तहसीलदार राजवीर यादव ने मोर्चरी पर पहुंचे। मृतक के परिजनों से समझाइश की।तहसीलदार राजवीर ने बताया कि परिजनों ने ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में आरोपी के खिलाफ जल्द ही सख्त कार्रवाई व मृतक परिजनों को आर्थिक मदद की मांग की है। जिसपर उन्हें जल्द कार्रवाई व सरकार से नियमानुसार उचित आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया है। परिजन दोपहर 2 बजे करीब शव उठाने को राजी हुए। मृतक के चचेरे भाई कुंज बिहारी ने बताया- हरिओम (मृतक) के पिता संपत की बांसखेड़ा थाना पनवाड़ जिला झालावाड़ में 4-5 बीघा जमीन है। इसी जमीन के पास हरिओम के चाचा बद्रीलाल की भी जमीन है। हरिओम (मृतक) के पिता और उसके चाचा के बीच इस जमीन पर बने खेत से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। हरिओम (मृतक) के चाचा का दामाद शंकर जुलाई 2024 कुछ लोगों को लेकर गांव आया था। उसने हरिओम (मृतक) के परिवार के साथ मारपीट की थी। इसकी शिकायत पनवाड़ थाने में दी थी। अभी भी मामला कोर्ट में चल रहा है। हरिओम (मृतक) के चाचा बद्रीलाल उसी दिन परिवार के किसी व्यक्ति की हत्या की धमकी देकर गए थे। हरिओम (मृतक) के ताऊ राधेश्याम ने बताया- शंकर (दामाद) और उसका पिता रामप्रसाद आदतन अपराधी है। दोनों के खिलाफ कई मामले दर्ज है। शंकर कोटा के विज्ञान नगर इलाके में रहता है। हमारी मांग है जब तक आरोपी का मकान ध्वस्त नहीं किया जाएगा और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता नहीं दी जाएगी। तब तक शव को नहीं उठाया जाएगा। ताऊ ने कहा- हरिओम परिवार में इकलौता था। आरोपी ने साइबर कैफे में घुसकर कई राउंड फायर किए, जिससे हरिओम की मौत हो गई। हरिओम के पिता मंदिर में पूजा करते है।

नगरपरिषद का सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी

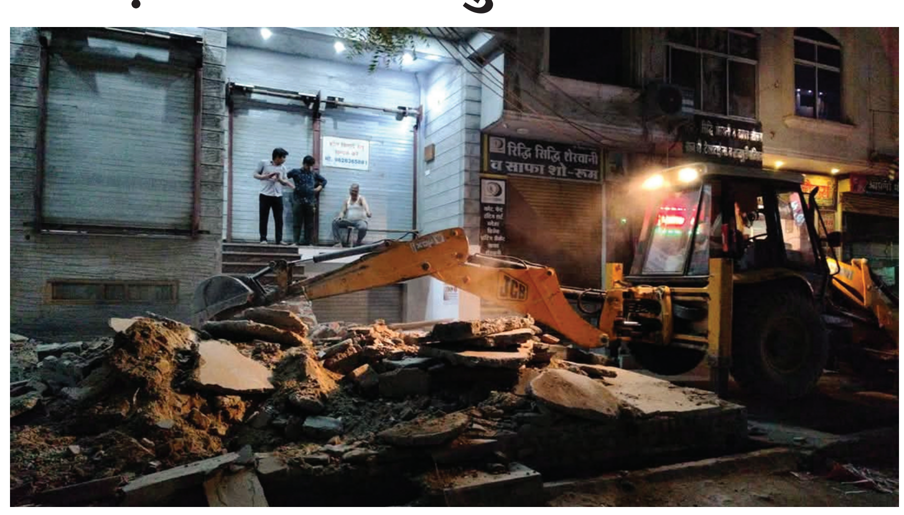

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नगर परिषद की ओर से सड़कों की चौड़ाई को बढ़ाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसका असर अब शहर में देखने को मिल रहा है। नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी के नेतृत्व में आपसी सहमति से सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। सभापति राजकरण चौधरी की टीम की ओर से चलाई गई एक मुहिम का असर अब धीरे-धीरे शहर में देखने को मिल रहा है। जहां एक फीट जमीन के लिए लड़ाई झगड़ा व मुकदमे होते हैं। लेकिन सभापति व उनकी टीम की ओर से न तो कोई पुलिस जाप्ता और ना ही कोई विवाद के बिना आपसी सहमति से सड़कों की चौड़ाई को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। जिसकी पूरे क्षेत्र में प्रशंसा की जा रही है। शहर में हर जगह पक्ष व विपक्ष के लोगों की ओर से सभापति राजकरण चौधरी की टीम की ओर से सड़कों की चौड़ाई को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। सभापति के कार्यों की प्रशंसा नहीं की जाती थी वहीं आज हर आदमी की जुबान पर शहर में हो रहे कार्यों को लेकर प्रशंसा ही सुनी जा रही है। सभापति राजकरण चौधरी की टीम की ओर से शहर के विकास को लेकर जिन परिवारों की ओर से सड़क की चौड़ाई को बढ़ाने के लिए जमीन का दान देकर नगर परिषद का सहयोग किया है। उनका बहुत-बहुत आभार भी जताकर नगर परिषद की ओर से उनका सम्मान करने की बात कही जा रही हैं। शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत युद्ध स्तर पर नगर परिषद की ओर से कार्य किया जा रहा है। जल्द ही इन सड़कों का अलग ही रूप देखने को आमजन को मिलेगा।

नो दिवसीय देवी भागवत कथा का समापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव बुकनसर छोटा श्रीमद् देवी भागवत कथा के नौवें दिन की कथा देवी भगवती के अलग-अलग रूपों और उनके गुणों के बारे में वर्णन करती है।कथावाचक दंडी स्वामी शिवेद्राश्रम जी महाराज ने देवी की महिमा, शक्ति, और भक्तों के प्रति उनकी कृपा का विस्तार से वर्णन किया। नौवें दिन देवी भगवती के विभिन्न रूपों जैसे शक्ति, दुर्गा, काली, चंडी आदि का वर्णन किया। उनकी लीलाओं और उनकी भक्ति की महिमा का वृतांत सुनाया। प्रत्येक रूप अपनी शक्ति, गुण और लीला के लिए जाना जाता है। कथा देवी की महिमा, शक्ति और भक्तों के प्रति उनकी कृपा को दर्शाती है। देवी को जगत की माता, सब कुछ का आधार और सब की रक्षा करने वाली के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। कथा में देवी की भक्ति की महिमा का भी वर्णन करते हुए कहा कि देवी की भक्ति कैसे भक्तों को सुख, शांति और मुक्ति प्रदान करती है। देवी भगवती की शक्ति और कृपा अनंत हैं और उनकी भक्ति से भक्तों को सब कुछ प्राप्त होता है। कथा समापन पर कन्या भोज के साथ महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कथा के यजमान जमना देवी ब्रह्मनंद जोशी ने व्यास पीठ की पूजा अर्चना की। कथा में केशरी शर्मा, सत्यनारायण जोशी, ब्रह्मानंद जोशी, हीरालाल जोशी, अशोक कुमार जोशी, बजरंगलाल जोशी, भवानी सिंह, प्रभु सिंह, संदीप जोशी सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने कथा का श्रवण कर प्रसाद ग्रहण किया।

तहसीलदार, आयुक्त, अकाउटेंट के पद रिक्त, जनता परेशान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर में इन दिनों जनता से सीधे जुड़े मुख्य अधिकारियों के पद रिक्त पड़े हैं, जिसके चलते कार्यवाहक अधिकारियों को चार्ज मिला हुआ है और जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार तहसीलदार का पद पिछले 6 माह से खाली पड़ा है, जिस पर नायब तहसीलदार राजू देवी के पास इसका चार्ज है। तहसीलदार जैसे महत्वपूर्ण पद पर अधिकारी का नहीं लगाया जाना तहसील कार्यालय की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। दूसरी ओर यही हाल नगरपरिषद के हैं। नगरपरिषद कार्यालय में फरवरी माह से आयुक्त का पद रिक्त पड़ा है। आयुक्त मघराज डूडी के स्थानान्तरण होने के बाद उनको सरदारशहर लगाया गया। सुजानगढ़ नगरपरिषद के आयुक्त के पद को भरने की बजाय यहां पर मघराज डूडी को ही अतिरिक्त चार्ज दे दिया गया। अब मघराज डूडी सरदारशहर में कार्यरत हैं और सुजानगढ़ में भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं। दूसरी ओर नगरपरिषद के सहायक लेखाधिकारी का पद रिक्त चल रहा है। यहां पर शिक्षा विभाग में कार्यरत रतनलाल को कार्यभार अतिरिक्त रूप से सौंप रखा है। खास बात तो ये है कि सुजानगढ़ शहर की जनसंख्या करीब 1 लाख 50 हजार है और यहां पर जनता के रोज-रोज नगरपरिषद में काम पड़ते ही रहते हैं। ऐसे में इन पदों पर स्थायी अधिकारी को नियुक्त नहीं किये जाने से नगरपरिषद में आम लोगों को 1 चक्कर की बजाय पांच चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस बारे में सभापति निलोफर गौरी ने बताया कि इस बारे में जिला कलक्टर को अवगत करवाया गया था और स्थायी रूप से अधिकारी लगाने की मांग भी की गई थी।

केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर आज बीकानेर आएंगे

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर शुक्रवार को प्रातः 10.10 बजे दिल्ली से हवाई मार्ग की ओर से प्रस्थान कर प्रातः 11.15 बजे नाल हवाई अड्डे पहुंचेंगे। ठाकुर दोपहर 12 बजे आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान का निरीक्षण करेंगे। वें रात्रि विश्राम आईसीएआर के विश्राम गृह में करेंगे। रामनाथ ठाकुर शनिवार को प्रातः 6 बजे सड़क मार्ग से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

बीकानेर में 7-साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या

जयपुर टाइम्स

(नि.सं.)।बीकानेर में 7 साल की बच्ची की नाबालिग लड़के ने रेप के बाद हत्या कर दी। पुलिस ने नाबालिग को डिटेन कर लिया। लड़के के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो मिले हैं। वहीं दक्षिण की कई फिल्में भी मोबाइल में मिली है। आरोपी लड़का कई सोशल मीडिया एकाउंट्स पर भी पोर्न वीडियो देखता था, जिसमें अश्लील वीडियो लाइक किए गए हैं। डीएसपी संग्राम सिंह ने बताया- कोलायत में सोमवार रात बच्ची घर के पीछे शौच करने गई थी। उसे छत पर खड़े लड़के ने देख लिया था। लड़का नीचे उतरकर पड़ोसी के घर पर पहुंच गया।

दो नेत्रहीनों की जिंदगी को रौशन करेगी बरड़िया की आंखें

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के जैन मन्दिर के पास विमल कुमार बरडिया पुत्र स्व जंवरी मल बरडिया की आंखें अब दो नेत्रहीनों का जीवन रोशन करेंगी। सोमवार को बरडिया का निधन 78 वर्ष की आयु में हो गया। उनकी धर्मपत्नी सरोज देवी व भाई कमलापत बरडिया, बाबुलाल बरडिया व बरडिया परिवार की सहमति पर नेत्र संग्रह केन्द्र के तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत ने नेत्र संग्रह किया। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चूरू चैप्टर मुख्यालय सरदारशहर स्थित नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि 30 जनवरी को शुरू हुए नेत्र संग्रह केन्द्र में यह ग्यारहवां नेत्रदान हुआ है। इसमें तेरापंथ युवक परिषद सरदारशहर का विशेष योगदान रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के नेत्रदान राज्य प्रभारी रोशन नाहर का मार्गदर्शन मिल रहा है। बरडिया के परिजनों का गांविमं के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़, आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रविन्द्र कुमार एवं तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष लोकेश सेठिया ने आभार व्यक्त किया है।

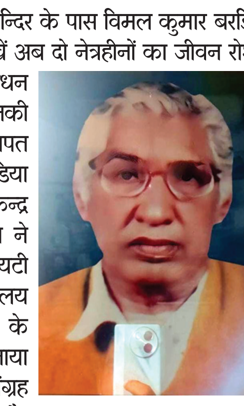

जिला स्तरीय समीक्षा व परामर्श समिति की तिमाही बैठक आज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिला स्तरीय समीक्षा व परामर्श समिति झुंझुनू की तिमाही बैठक को प्रातः 11.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। अग्रणी जिला प्रबन्धक गोपाल प्रसाद ने बताया कि समीक्षा बैठक में वार्षिक साख योजना 2024-25 के आधारभूत आंकड़ो की समीक्षा, प्रगति रिपोर्ट व वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक साख योजना के बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक में वार्षिक साख योजना 2024-25 के अंतर्गत क्षेत्रानुसार प्रगति की समीक्षा व वार्षिक साख योजना के अनुसार लक्ष्य प्राप्ति, 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही पर जिले में कार्यरत समस्त बैंकों के ऋण जमा अनुपात, भारत सरकार व राज्य सरकार की ओर से विभिन्न प्रायोजित ऋण योजनाओं की समीक्षा, जन सुरक्षा योजनाएँ पीएमजेजेबीए व पीएमएसबीवाई योजनाओं, द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये नाबार्ड की ओर से प्रस्तावित प्री-PLP योजना सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

घरों में फैला करंट,9 बहनों में इकलौते भाई की मौत

चाकसू (नि.सं.)।चाकसू में हाई वोल्टेज लाइन डीपी से टच हो गई। जिससे 6 घरों में हाई वोल्टेज करंट फैल गया। हादसे में दो किशोर झुलस गए। जिनमें से एक की मौत हो गई। घटना कोटखावदा के रूपाहेड़ी गांव स्थित गुणीतोड़ा की ढाणी में सोमवार रात करीब 9 बजे की है। करंट दौड़ने से अनीशा सैनी (16) और दूल्हाराम (17) पुत्र धन्नालाल सैनी झुलस गए। दोनों को कोटखावदा सीएचसी ले जाया गया। गंभीर हालत में दूल्हाराम को जयपुर रेफर किया गया। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। दूल्हाराम नौ बहनों में इकलौता भाई था। मृतक के चाचा ग्यारसीलाल ने बताया कि सीएचसी में ड्यूटी डॉक्टर नहीं मिलने से घायलों के इलाज के लिए काफी लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। बाद में दूल्हाराम को अस्पताल में मौजूद नर्सिंग अधिकारियों ने प्राथमिक उपचार देकर जयपुर रेफर किया। वहीं, अनीशा को प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी गई। ग्रामीण शव रखकर कोटखावदा सीएचसी के सामने धरने पर बैठ गए है। लोगों ने डॉक्टर और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। सीएचसी के सामने चाकसू दौसा स्टेट हाईवे पर जाम लग गया। मौके पर कोटखावदा और चाकसू थाने का पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। हादसे को लेकर ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली निगम की लापरवाही से ये हादसा हुआ। ढाणी के पास लगी बिजली डीपी के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन के ढीले तारों की कई बार शिकायत की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भारत-पाक तनाव के बीच आज होगी मॉक ड्रिल

बीकानेर (नि.सं.)।पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के चलते बीकानेर में बुधवार को मॉक ड्रिल होगी। युद्ध के समय बरती जाने वाली सावधानियों को ध्यान में रखते हुए आम आदमी को सजग करने का प्रयास इस दौरान होगा। प्रशासन ने शहर में दस जगह लगे सायरनों की सार संभाल की है, साथ ही स्टूडेंट्स को ट्रेंड करने की तैयारी की जा रही है।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
07 मई, 2025

ग्रीन स्पेस पार्क के सामने उड़ती है धूल, जनता परेशान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ठेकेदारों की हठधर्मिता आम जनता के लिए परेशानी का सबब बन जाती है और अधिकारियों के लिए जनसमस्याएं कोई मायने नहीं रखती। इस प्रकार का नजारा अगर आपको देखना हो तो ग्रीन स्पेस के गेट के सामने की सड़क से बड़ा कोई उदाहरण नहीं हो सकता। हुआ यूं कि सुक्षेम फाउण्डेशन की ओर ह्ठरड़ा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के संभावित कार्यक्रम की जानकारी अप्रेल माह में दी गई। उसके बाद ग्रीन स्पेस पार्क के गेट के सामने क्षतिग्रस्त पड़ी सड़क को आनन-फानन में चकाचक बनाते हुए सीमेंटेड किया गया। उस पर तर्राई के लिए रेत डाली गई। रेत को तीन-चार दिन पानी डालकर गीला भी किया गया। इस दरमियान ठरड़ा में कार्यक्रम 15 अप्रेल को हो गया और केंद्रीय कानून मंत्री सहित अनेक अतिथि इस कार्यक्रम में आए। उसके बाद करीब 20-22 दिन बीत गए हैं, लेकिन सड़क पर पड़ी धूल को नहीं उठाया जा रहा है। ठेकेदार की हठधर्मिता के कारण यहां से रोज-रोज गुजरने वाले हजारों लोगों और वाहन चालकों को परेशान होना पड़ रहा है। पार्षद ईकबाल खां कायमखानी ने बताया कि इस बारे में दो-तीन बारे ठेकेदार को कहा गया है, लेकिन धूल यहां से नहीं उठाई जा रही है और जनता परेशान है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को इस प्रकार के लोगों पर कार्यवाही करनी चाहिए।

कुण्ड के पानी में डूबने से दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ के निकटवर्ती गांव डूंगर बालाजी स्थित एक घर के कुंड में डूब जाने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बालक दिलीप सिंह व कोमल सिंह कुंड के पास खेल रहे थे, इसी दौरान कुंड में गिर गए और डूब जाने से दोनों की मृत्यु हो गई। हालांकि ग्रामीणों ने बालकों को निकालकर को राजकीय बगड़िया अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत्य घोषित कर दिया। सूचना पर सदर पुलिस थाने के एएसआई तनसुख नैण मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। गांव डूंगर बालाजी, गोपालपुरा इसके आसपास के क्षेत्र में घटना की सूचना से ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। दूसरी ओर इस मामले में पुलिस को शंकरसिंह निवासी डूंगर बालाजी ने रिपोर्ट देकर बताया है कि मैं सुबह पेट्रोल पम्प पर काम करने के लिए सुजानगढ़ आ गया था। घर पर मेरी पत्नी सुमन कंवर, व मेरा लड़का दिलीपसिंह (3) था। इसी प्रकार भाभी सावित्री कंवर व उसका लड़का कोमलसिंह (5) भी था। दोनों बच्चे घर की बाखल में ही खेल रहे थे, कि अचानक खेलते खेलते कुंड में गिर गए। जिस पर दोनों को ग्रामीणों ने निकाला और बगड़िया अस्पताल पहुंचाया। जहां पर दोनों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।अस्पताल पहुंचे सदर पुलिस थाने के एएसआई तनसुख नैण ने आवश्यक कार्यवाही के बाद दोनों बच्चों के शव परिजनों को सौंप दिए।

आरओबी निर्माण से रास्ते बंद होने पर कॉलोनी वासियों का प्रदर्शन

विधायक ने 16 फीट चौड़े रास्ते बनाने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पूनिया कॉलोनी रोड पर बन रहे रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण से स्थानीय लोगों में रोष है। मंगलवार को पूनिया कॉलोनी, शर्मा कॉलोनी और गांधीनगर कॉलोनी के निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आरओबी निर्माण के कारण कॉलोनियों में आने-जाने के सभी रास्ते बंद हो गए हैं। पूनिया कॉलोनी के राजपाल दहिया ने बताया कि पिछले 10 दिनों से दुपहिया और चार पहिया वाहन चालक परेशान हैं। स्कूल बस और एंबुलेंस जैसी जरूरी सेवाएं भी कॉलोनी तक नहीं पहुंच पा रही हैं। कॉलोनीवासियों की मांग है कि आरओबी के दोनों तरफ कम से कम 16-16 फीट चौड़े रास्ते छोड़े जाएं। निर्माण एजेंसी का कहना है कि काम स्वीकृत नक्शे के मुताबिक हो रहा है। 60 फीट चौड़े मार्ग में से 28 फीट में आरओबी बन रहा है। नक्शे में कुछ जगह 12 फीट और कुछ जगह 7-8 फीट के रास्ते दिखाए गए हैं। विरोध की सूचना पर विधायक हरलाल सहारण मौके पर पहुंचे। उन्होंने एसडीएम बिजेंद्र सिंह और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को कॉलोनियों की ओर जाने वाले रास्तों को सुचारू रखने के लिए दोनों तरफ 16 फीट के मार्ग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक के आश्वासन के बाद प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया।

मुख्यमंत्री निशुल्क योजना का मिला पीड़ित को लाभ

राजकीय उपजिला अस्पताल में जीभ के कैंसर का सफल ऑपरेशन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उपजिला अस्पताल के ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ लोकेंद्र सिंह राठौड़ ने दूसरी बार कैंसर के मरीज का सफल ऑपरेशन कर मरीज को बड़ी राहत प्रदान की है। यह सब संभव हो पाया है मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना से। इस योजना के तहत न सिर्फ राजकीय उपजिला अस्पताल में मरीज का ऑपरेशन हुआ बल्कि मरीज के लाखों रुपए भी बच गए। ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ लोकेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि रतनगढ़ निवासी 35 वर्षीय हसन अली पिछले 7-8 महीने से जीभ के कैंसर से परेशान था। हसन अली के परिजन हसन को लेकर जैसे ही मेरे पास आए हमने उनकी एमआरआई व अन्य जांच करवाई। तब पता चला कि हसन अली की जीभ में कैंसर है। परिजनों की सहमति से हसन अली को ऑपरेशन के लिए राजकीय उपजिला अस्पताल में भर्ती किया गया। हसन अली का वाइड लोकल एक्सीजन विद नेक डिसेक्शन नामक ऑपरेशन किया गया। साधारण भाषा में इस तरह के ऑपरेशन को कमांडो सर्जरी भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मरीज के गले और जीभ का ऑपरेशन

किया गया है। डॉ राठौड़ ने बताया कि अगर यही ऑपरेशन किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में करवाया जाता तो इसका करीब डेढ़ लाख रुपए का खर्च आता। राजकीय उप जिला अस्पताल में यह ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पूरी तरह से निशुल्क हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद मरीज एकदम स्वस्थ है। राजकीय उप जिला अस्पताल प्रभारी डॉ चंद्रभान जांगिड़ ने बताया कि राजकीय उपजिला अस्पताल में रतनगढ़ का 35 वर्षीय हसन अली नाम का मरीज जिसके जीभ में कैंसर होने के कारण उसका ऑपरेशन किया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के ईएनटी रोग विशेषज्ञ लोकेंद्रसिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत यह ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीबों के लिए जीवनदायिनी योजना है। पहले इस तरीके के मरीजों को इलाज करवाने के लिए अपने घर और जमीन तक बेचना पड़ता था। लेकिन अब इस योजना के तहत वह लोग अपना इलाज निशुल्क करवा सकते हैं। लाभार्थी मरीज के छोटे भाई मोहम्मद सलीम ने बताया कि हसन अली मेरा छोटा भाई है। हसन अली की जीभ में कैंसर होने के कारण हमने जयपुर व बीकानेर जैसे बड़े-बड़े शहरों में हसन अली को लेकर गए। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए हम सक्षम नहीं थे। फिर हमें पता चला कि राजकीय उपजिला अस्पताल के ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ लोकेंद्रसिंह राठौड़ मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत इस प्रकार का ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क कर सकते हैं। तब हम लोग हसन अली को लेकर सरदारशहर के राजकीय उपजिला अस्पताल आए और ऑपरेशन करवाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क हुआ है। यहां पर किसी भी प्रकार का कोई पैसा हमसे नहीं लिया गया है। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी इस योजना के चलते हम जैसे लोग अपना इलाज करवा पाते हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना बहुत अच्छी है। वहीं इस ऑपरेशन को करने में राजकीय उपजिला अस्पताल के डॉ लोकेंद्र सिंह राठौड़, ईएनटी डॉ पवन शर्मा, निश्चेतन विभाग के डॉ संदीप बिजारणिया, ऑपरेशन थिएटर के इंचार्ज ओम वर्मा, पंकज सोनी, दौलत सुंडा, मंजू मिल, वार्ड बॉय नदीम ने सहयोग किया।

चारदीवारी का निर्माण रोका, 5 ट्रोली पत्थर कुर्क

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ठरड़ा रोड़ पर निर्माणाधीन चारदीवारी के कार्य को तहसील कार्यालय ने रूकवा दिया है और करीब 5 ट्रोली पत्थर कुर्क कर दिए हैं। इस बारे में तहसीलदार राजूदेवी ने बताया कि गिरदावर की रिपोर्ट के आधार पर काम रूकवाकर मौके पर बोर्ड लगाया गया है तथा करीब 5 ट्रोली पत्थर कुर्क किए गए हैं। दरअसल इसी जमीन के पीछे से हॉस्पिटल के लिए सड़क बनाई जा रही है, जिसके चलते इसी जमीन में ये रास्ता आकर मिलेगा। जिसके चलते गोचर भूमि पर निर्माण होने की शिकायत पर चारदीवारी का निर्माण कार्य रूकवाकर पत्थर कुर्क किए गए हैं। दूसरी ओर इस मामले में जमीन के मालिक बंकट भार्गव ने बताया कि मेरे पास लोढ़सर पंचायत से 1990 में जारी पट्टे हैं। पट्टेदारों से मेरी बहन संतोष देवी भार्गव ने दो जमीनें दो हजार गज व 1 हजार गज खरीद की। इसके बाद हम लोग अपनी जमीन पर चारदीवारी का निर्माण करवा रहे थे, ऐसे में प्रशासन की ओर से निर्माण रूकवाया जाना और पत्थर कुर्क करना एक तरफा कार्यवाही है। बंकट भार्गव ने बताया कि तहसील कार्यालय में पट्टे व अन्य दस्तावेज पेश करके हमारा पक्ष रखा जायेगा। उन्होंने प्रशासन से न्याय किए जाने की मांग की है। दूसरी ओर जिस खसरे पर यह भूमि स्थित बताई जा रही है, वो गौशाला के नाम दर्ज है। हालांकि बंकट भार्गव का कहना है कि रास्ता हमारी जमीन के पास से अस्पताल वाले गलत निकाल रहे हैं, जबकि रिकोर्ड में रास्ता सीआईडी ऑफिस के लिए आवंटित जमीन के पास है। पीड़ित की ओर से अब नोटिस का जवाब देकर अपने दस्तावेजात तहसील कार्यालय में प्रस्तुत किए जाएगे, जिसके आधार पर ही आगे निर्णय होगा।

डीबी अस्पताल में मेडिकल शिक्षा का नया प्रयोग

30 डॉक्टरों को नई तकनीक से पढ़ाने के गुर सिखाए, तीन दिन का प्रशिक्षण शुरू

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सरकारी डीबी अस्पताल में मंगलवार से मेडिकल शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम की तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला का उद्घाटन सरस्वती चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। पहले दिन 30 डॉक्टरों को छात्रों को पढ़ाने के आधुनिक तरीकों से अवगत कराया गया। इसमें बड़े और छोटे समूह में शिक्षण, सतही और गहन अधिगम की जानकारी दी गई। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. रमाकांत वर्मा ने बताया कि चिकित्सा शिक्षकों को नई तकनीकों का प्रयोग करते हुए शिक्षण और मेडिकल साइंस में विकसित संसाधनों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित डॉक्टर छात्रों को बेहतर शिक्षा दे पाएंगे। एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री के शिक्षण में नए तरीकों से छात्र सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने कौशल का विकास कर सकेंगे। कार्यशाला में मेडिकल कॉलेज

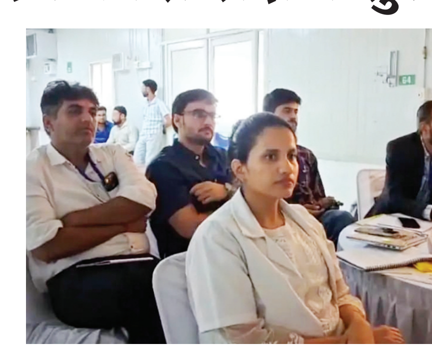

प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार, अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी सहित विभिन्न विभागों के डॉक्टर उपस्थित रहे। इनमें डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. विकास देवड़ा, डॉ. सुरेंद्र भड़िया, डॉ. आलोक गहलोत, डॉ. प्रदीप कस्वां, डॉ. विश्वजीत सिंह, डॉ. नितेश शर्मा, डॉ. हनुमान जयपाल, डॉ. सुधीर चायल, डॉ सुमन भडिया और डॉ. कुलदीप शर्मा शामिल रहें।

मॉक ड्रिल- कलेक्टर व एसपी ने की अपील

ऑपरेशन 'अभ्यास' के दौरान आमजन करें सहयोग, सायरन बजने पर करें लाइटें बंद

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने वीडियो संदेश जारी कर जिले में 7 मई को प्रस्तावित ऑपरेशन ' अभ्यास' अंतर्गत ब्लैकआउट मॉक ड्रिल के दौरान सहयोग करने की अपील की है।

जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए पूरे देश में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन नागरिकों को युद्ध परिस्थितियों के लिए तैयार करना व शिक्षित करना है। समस्त जिलेवासी मॉक ड्रिल में अपेक्षित सहयोग करें। सुराणा ने कहा कि राष्ट्रव्यापी अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और विभागीय समन्वय की कसौटी पर खरा उतरने का पूर्वाभ्यास है, जिसमें गांव स्तर तक सभी लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य न केवल आपदा के समय प्रशासन की तैयारियों को परखना है, बल्कि आम नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को आपदा प्रबंधन व सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना भी है। उन्होंने समस्त जिलेवासियों से अपील की है कि सभी अपना अपेक्षित सहयोग करें। अपने क्षेत्र में सायरन व हूटर की आवाज सुनते ही घरों, दुकानों, उद्योगों, वाहनों की लाइटें बंद कर दें। यह युद्ध परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किया जाने वाला अभ्यास है। हम सभी इसमें सहयोग करें तथा युद्ध परिस्थितियों के मध्य नजर अपनी तैयारियां मुस्तैद रखें। पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा कि सभी नागरिक मॉक ड्रिल में अपना अपेक्षित सहयोग दें। जिलेवासी सायरन, हूटर आदि की आवाज सुनते ही सभी होटल, दुकानों, बस स्टैंड, वाहनों, उद्योगों में अपनी लाइट बंद करें। खिड़कियों आदि पर काले पर्दे आदि लगाएं ताकि रोशनी न दिखे। पंखे, कूलर आदि चलाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध परिस्थितियों के लिए शिक्षित किए जाने के लिए यह मॉक ड्रिल किया जा रहा है। मॉक ड्रिल के दौरान घबराएं नहीं। इस दौरान की जाने वाली गतिविधियों के बारे में अपने परिवेश के लोगों को भी जागरूक करें। हम सभी इसकी गंभीरता को समझें तथा सक्रिय भागीदारी निभाते हुए राष्ट्रहित को देखते हुए अपेक्षित सहयोग करें।

चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दल की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली/चूरूं(निसं.)।। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू व डॉ. विवेक जोशी ने मंगलवार को निर्वाचन सदन में बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित और बेहतर संवाद को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत, आयोग ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक पार्टियों के साथ संवाद की पहल की है। यह संवाद लंबे समय से आवश्यक रचनात्मक चर्चा का मंच प्रदान करेगा, जिससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष सीधे आयोग के साथ अपने सुझाव और चिंताएं साझा कर सकेंगे। यह पहल आयोग की व्यापक दृष्टि के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत सभी हितधारकों के साथ मिलकर निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाना है। पूर्व में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 40 बैठकें मुख्य चुनाव अधिकारियों की ओर से 800 जिला निर्वाचन अधिकारियों की ओर से और 3,879 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की ओर से आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के अनुसार राजस्थान में 200 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्तर पर कुल 921 तथा 33 जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर कुल 182 राजनैतिक प्रतिनिधियों ने आयोजित हुई बैठकों मे भाग लिया था। राज्य स्तर कि बैठक मुख्य निर्वाचन अधिकारी कि अध्यक्षता मे आयोजित हुई थी जिसमे सभी प्रमुख राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कम्प्यूटर कर्मचारी संघ ने विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पंचायती राज विभाग में आईटी संवर्ग के पद सृजन को लेकर तारानगर के कम्प्यूटर कर्मचारी संघ ने विकास अधिकारी विनोद कुमार धायल को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से संघ के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ की ओर से पंचायती राज विभाग में ई-गवर्नेन्स / सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की कार्यात्मक औचित्य आधारित तत्थ्यात्मक रिपोर्ट तैयार की है। इन विभागों में ई-गवर्नेन्स आधारित कार्यो के बेहतर संचालन के लिए आईटी संवर्ग के पदों के सृजन की नितान्त आवश्यकता है। पंचायतीराज विभाग में जिला परिषद से लेकर पंचायत समिति व ग्राम पंचायत तक संचालित विभिन्न योजनाओं की

प्रक्रिया में सूचना प्रौद्योगिकी का बहुलता से प्रयोग किया जा रहा है, डिजिटलाईजेशन और आई.टी. से संबंधित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रगति में आ रही समस्याओं के लिए तकनीकी कार्मिकों की अत्यन्त कमी के कारण उक्त कार्य को करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर आवश्यक आई.टी. सपोर्ट के लिए आई.टी. कैडर के अधिकारी व कार्मिकों के पदों का सृजन नितान्त आवश्यक है। डिजीटल राजस्थान के लक्ष्य को धरातल पर प्राप्त करने के लिए राजस्थान की प्रत्येक ग्राम पंचायत पर एक आई.टी. कार्मिक यथा सूचना सहायक /सहायक प्रोग्रामर का पद सृजित किया जाना प्रस्तावित है और उसी अनुपात में पंचायत समिति, जिला परिषद् एवं मुख्यालय तक नवीन आई.टी. केडर सृजित किया जाना प्रस्तावित है। ज्ञापन देने वालों में महेन्द्र प्रजापत, हरफुल, तरुण, राकेश, धर्मपाल सहित कंप्यूटर कर्मचारी संघ के लोग मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।